ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 344 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
19 जून 2026 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
34.3 अधिकतम
25.4 न्यूनतम

डील पर संकट के बादल... हालात यही रहे तो मुश्किल होगा ईरान को रोक पाना

ट्रम्प की नहीं सुन रहा इजराइल, लेबनान पर बड़ा हमला, 16 की मौत.. जिनेवा मीटिंग रद्द

जेडी वेंस बोले- इजराइल को समझनी होगी जमीनी हकीकत

वॉशिंगटन/तेहरान/ तेलअबीब. एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में होने वाला समझौता समारोह ऐन मौके पर खटाई में पड़ गया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस समझौते के औपचारिक साइनिंग समारोह के लिए स्विट्जरलैंड रवाना होने ही वाले थे, लेकिन इजरायल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सीधी अपील को नजरअंदाज करते हुए लेबनान पर हमला कर दिया। ट्रम्प ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर इजरायल, लेबनान और हिजबुल्लाह को आपस में न उलझने की हिदायत दी थी। लेकिन इजरायल ने इस चेतावनी को दरकिनार करते हुए गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात दक्षिणी लेबनान पर बड़ा हमला किया। इस हमले के बाद ईरान ने स्विट्जरलैंड जाने से साफ इनकार कर दिया, जिसके चलते जेडी वेंस को भी अपना दौरा रद्द करना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान के नबातीह जिले में इजरायली हवाई हमलों और तोपखाने की भारी गोलाबारी में कम से कम 16 लोगों के मारे जाने की खबर है। कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी (NNA) की रिपोर्ट के मुताबिक, रात भर चली यह गोलीबारी इलाके पर सबसे भीषण हमला है। इसमें आधी रात के बाद कई घरों को निशाना बनाया गया। एजेंसी के अनुसार नबातीह शहर के साथ-साथ कफर जौज और आस-पास के कई कस्बों, जिनमें कफर रेमन और जेबदीन शामिल हैं, पर हमले हुए हैं। इन

इलाकों में इजरायली तोपखाने से गोलाबारी की जानकारी मिली। इसके बाद हवाई हमलों की कई लहरों ने कफर तिबनित और रेहान हाइट्स को भी निशाना बनाया।

मध्य-पूर्व की बदलती राजनीति में अमेरिका और इजराइल के रिश्तों में नई दरारें दिखाई देने लगी हैं। दशकों तक इजराइल के सबसे मजबूत समर्थक रहे अमेरिका ने ईरान के साथ समझौते का रास्ता चुना है। लेकिन इजराइल अपने रुख पर अड़ा हुआ है। ऐसे में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजराइली नेताओं को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। वेंस ने ईरान के साथ हुए समझौते की आलोचना करने वाले इजराइली नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जमीनी हकीकत समझनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर वह इजराइल सरकार का हिस्सा होते तो दुनिया के सबसे बड़े और ताकतवर सहयोगी अमेरिका पर इस तरह सवाल नहीं उठाते।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, 'इस समय दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप ही ऐसे नेता हैं जो इजराइल के प्रति सबसे ज्यादा सहानुभूति रखते हैं।' उन्होंने इजराइल के कट्टरपंथी नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि हर समस्या का समाधान केवल सैन्य कार्रवाई नहीं हो सकता। वेंस का सबसे तीखा बयान तब आया जब उन्होंने कहा 'इजराइल सिर्फ 90 लाख आबादी वाला देश है। आपके पास दूसरा विकल्प क्या है? हर समस्या का हल लोगों को मारकर नहीं निकाला जा सकता। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि अमेरिका लंबे समय से इजराइल की सुरक्षा नीति का सबसे बड़ा आधार रहा है। ईरान के खिलाफ कार्रवाई में भी दोनों देशों के हित एक जैसे दिखाई देते रहे थे। लेकिन अब वॉशिंगटन का ध्यान युद्ध खत्म करने और क्षेत्रीय स्थिरता पर ज्यादा दिख रहा है।

अमेरिका-ईरान डील से बदले हालात

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इस समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही भी तेज हुई है। ऊर्जा बाजारों के लिए यह एक बड़ा संकेत माना जा रहा है, क्योंकि दुनिया की तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। हालांकि इजराइल अब भी ईरान को लेकर सख्त रुख अपना रहा है। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में अपनी मौजूदगी जारी रखने का संकेत दिया है। पीस डील के बाद भी वहां इजराइली हमलों में मौतों की खबर सामने आई है।

ईरान-अमेरिका समझौता : इसे किसी की हार या जीत नहीं, इंसानियत के कत्ल के रूप में देखा जाए

ईरान और अमेरिका के बीच हुए शांति समझौते को किसी की जीत या हार के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। न इसे ईरान की जीत के रूप में प्रचारित करने की जरूरत है और न अमेरिका की हार के रूप में। यदि इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सच कोई है, तो वह यह है कि बीते महीनों में सबसे अधिक हार इंसानियत की हुई है। युद्ध के मैदान में केवल मिसाइलें और बम नहीं बरसे, बल्कि मानवता भी लहूलुहान हुई है। अगर जीत-हार की बजाय खोने और पाने का हिसाब लगाया जाए तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। ईरान ने अपने वरिष्ठ सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और हजारों नागरिकों को खोया। उसकी अर्थव्यवस्था और सैन्य ढांचे को भारी क्षति पहुँची। दूसरी ओर अमेरिका को भी अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा, रणनीतिक विश्वसनीयता और आर्थिक संसाधनों की कीमत चुकानी पड़ी। दुनिया के सबसे ताकतवर देश को भी यह महसूस करना पड़ा कि हर युद्ध केवल सैन्य शक्ति के दम पर नहीं जीता जा सकता। इस युद्ध की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही कि इसकी कीमत उन देशों और लोगों ने भी चुकाई जिनका इस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक तेल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर इसका असर पड़ा। करोड़ों लोग बिना युद्ध लड़े उसकी मार झेलने को मजबूर हुए। इज़रायल के लिए यह लड़ाई केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि अस्तित्व का सवाल थी। वर्षों से वह हमास और हिज़्बुल्लाह जैसे संगठनों के हमलों का सामना करता रहा है। उसके अनेक निर्दोष नागरिक आतंकवाद के शिकार बने। लेकिन दूसरी ओर गाज़ा में भी हजारों निर्दोष लोग, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की थी, युद्ध की भयावह कीमत चुकाने को विवश हुए। दक्षिणी लेबनान भी लगातार सैन्य कार्रवाई की मार झेलता रहा। युद्ध अंततः किसी सैनिक से अधिक आम आदमी को मारता है। आज दुनिया के अनेक विश्लेषक इस समझौते को ईरान की जीत और डोनाल्ड ट्रंप की हार के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। लेकिन यह विश्लेषण अधूरा है। ट्रंप को अंततः यह समझ में आ गया कि यदि युद्ध लंबा खिंचता है तो उसकी राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक कीमत अमेरिका को भी चुकानी पड़ेगी। यही कारण है कि अंततः बातचीत का रास्ता चुना गया। युद्ध के दौरान मैंने अपने वार एनालिसिस में लगातार कहा था कि अमेरिका और इज़रायल ने ईरान की सैन्य रणनीति और उसके भू-राजनीतिक प्रभाव का सही आकलन नहीं किया। शुरुआती हमलों में ईरान को गंभीर क्षति अवश्य पहुँची, लेकिन उसके बाद उसने अपनी घोषित रणनीति के अनुरूप जवाबी कदम उठाए। विशेष रूप से हार्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर पैदा हुई आशंकाओं ने पूरी दुनिया को यह एहसास करा दिया कि आधुनिक युद्ध केवल मिसाइलों से नहीं, बल्कि भूगोल और वैश्विक अर्थव्यवस्था को हथियार बनाकर भी लड़े जाते हैं। यदि हार्मुज़ में समुद्री यातायात पूरी तरह बाधित होता या लाल सागर में हूती विद्रोहियों की गतिविधियाँ और तेज होतीं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं बड़े संकट में फंस सकती थी। संभवतः यही वह बिंदु था जहाँ अमेरिका ने महसूस किया कि युद्ध की अगली सीढ़ी पूरी दुनिया को अस्थिर कर सकती है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक और भ्रम तोड़ दिया। दुनिया ने देख लिया कि केवल सैन्य ताकत किसी देश को अजेय नहीं बनाती। आर्थिक शक्ति, भूगोल, कूटनीति, जनमत और धैर्य भी आधुनिक युद्धों के निर्णायक हथियार हैं। अंततः बंदूकें भी वहीं रुकती हैं जहाँ बातचीत शुरू होती है। इसलिए इस समझौते का स्वागत यदि होना चाहिए तो केवल इस बात के लिए कि शायद अब और निर्दोष लोगों की जान नहीं जाएगी। लेकिन इसे किसी की जीत का उत्सव या किसी की हार का मातम बनाना वास्तविकता से आँखें मूँदना होगा। आखिर हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों लोग विस्थापित हुए हैं और पूरी दुनिया आर्थिक अस्थिरता की कीमत चुका रही है। युद्ध का अंतिम निष्कर्ष यही है कि इसमें कोई विजेता नहीं होता। यदि कोई हारता है तो वह सबसे पहले इंसानियत होती है। इसलिए ईरान-अमेरिका समझौते को जीत और हार के तराजू पर नहीं, बल्कि मानवता को बचाने की देर से उठी एक जरूरी पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। 'इतिहास बताता है कि युद्ध कभी स्थायी विजेता पैदा नहीं करते, लेकिन वे स्थायी कब्रिस्तान जरूर छोड़ जाते हैं।'

नज़रिया
राजेश सिरोठिया

न्यूज विंडो

महाकाल के दर्शन करने पहुंचे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल

उज्जैन। भारतीय टीम के क्रिकेट खिलाड़ी युजवेंद्र चहल आज तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती के दर्शन करने विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग मंदिर महाकालेश्वर पहुंचे। यहां उन्होंने दर्शन-पूजन और अभिषेक कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वे भगवान महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए।

सिग्नल केबल चोरी, तीन घंटे तक थमी रही ट्रेनों की रफ्तार

सतना। मुंबई-हावड़ा रेलखंड पर सतना-मैहर के बीच लगरगवां स्टेशन के पास सिग्नल की 7 मीटर केबल चोरी हो गई। इस घटना के कारण रेल संचालन लगभग तीन घंटे तक प्रभावित रहा, जिससे अप और डाउन लाइन की 19 ट्रेनें देरी से चलीं। आरपीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केबल लेकर भाग रही दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। इंजीनियरों ने केबल को जोड़कर रेल संचालन को सामान्य किया।

आज का कार्टून

नीट पेपर लीक मामला

टेलीग्राम को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका, प्रतिबंध हटाने से इनकार

नईदिल्ली. एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने नीट की दोबारा परीक्षा के कारण केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए अस्थायी बैन को चुनौती देने वाली टेलीग्राम की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस तेजस करिया ने आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत जारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए, 22 जून तक टेलीग्राम को ब्लॉक करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। टेलीग्राम पर लगे अस्थायी प्रतिबंध को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि आपातकालीन स्थिति को देखते हुए सरकार ने आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत प्रक्रिया का पालन किया है। कोर्ट ने कहा कि इन आदेशों में सोच-समझकर निर्णय न लेने जैसी कोई कमी नहीं है। हमने यह भी माना है कि आईटी एक्ट के तहत इस प्लेटफार्म को जानकारी के दायरे से बाहर रखने का कोई कारण नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सरकार के पास सेक्शन 69 के तहत टेलीग्राम तक पहुंच पर रोक लगाने का निर्देश देने का अधिकार है। इसमें आनुपातिकता की कसौटी पूरी होती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

योगी बोले-अपराधी कोई हो, नहीं बचेगा, 15 दिन में होगी कार्रवाई

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी आज अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने कहा विपक्ष के लोग राम का नारा लगाने पर गोली चलवाते थे। इनके दोगले चरित्र को तो देखिए। राम मंदिर बन न पाए, इसके लिए कांग्रेस ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था। सुप्रीम कोर्ट में बेशर्मी के साथ कहा था कि राम तो हुए ही नहीं। वही कांग्रेस आज अयोध्या पर बहुत मचल रही है। योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। मैं सभी से कहूंगा कि कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करें, जो रामभक्तों को आहत करे। योगी ने कहा किसी के पास कोई प्रूफ है तो उसे एसआईटी को दे दे। भक्तों से अपील है कि प्रभु श्रीराम ने मर्यादा का पाठ पढ़ाया है। 500 वर्षों तक राम मंदिर के लिए संघर्ष किया। 15 दिन और देख लो, इंतजार कर लो। चिंता मत करो। उन्होंने कहा सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहती है कि राम भक्तों का अपमान हुआ है। कारसेवकों और रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं।

पीएम मोदी की अपील और 15% सीमा शुल्क वृद्धि का असर

सोने के आयात में 70 फीसदी की भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील और आयात पर सख्ती के लिए सीमा शुल्क बढ़ाने का असर साफ तौर पर दिखने लगा है। एक अधिकारी ने बताया कि 13 मई से शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी किए जाने के बाद एक महीने में देश में सोने का आयात पहले के 75-100 टन से करीब 70 फीसदी घटकर 25-30 रह गया है।

हालांकि, मूल्य के लिहाज से मई में सोने का आयात सालाना आधार पर 34 फीसदी बढ़कर 3.41 अरब डॉलर पहुंच गया। इसका मुख्य कारण ऊंची कीमतें रहीं। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-मई के दौरान सोने का आयात 60.14 फीसदी बढ़कर 9.04 अरब डॉलर पहुंच गया। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर मूल्य का सोना खरीदा था, जो सालाना आधार पर 24 फीसदी की बढ़ोतरी है। हालांकि, मात्रा के लिहाज से इसमें 4.76 फीसदी की गिरावट आई और यह 721.03 टन रहा। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी पांच फीसदी से अधिक है।

इनकम टैक्स कलेक्शन बढ़ा

शुद्ध आयकर संग्रह चालू वित्त 2026-27 में अब तक करीब 15 फीसदी बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया। इसमें शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स और शुद्ध गैर-कॉरपोरेट टैक्स संग्रह भी शामिल हैं। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक अप्रैल से 17 जून तक की अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स संग्रह सालाना आधार पर 22 फीसदी बढ़कर 2.08 लाख करोड़ पहुंच गया। वहीं, शुद्ध गैर-कॉरपोरेट टैक्स 8 फीसदी वृद्धि के साथ 2.94 लाख करोड़ रुपये रहा। 17 जून तक की इस अवधि में आयकरदाताओं को 89,026 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो एक साल पहले के मुकाबले 1.19 फीसदी अधिक है। वहीं, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 12.46 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 6.10 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

प्रदेश में 39 प्रतिशत कम हुई बारिश

एमपी में मानसून 10 दिन लेट आंधी से फसलें हो रही तबाह

बड़वानी में आंधी के कारण बर्बाद हुई केले की फसल।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मानसून का इंतजार लंबा होता जा रहा है। आमतौर पर 15-16 जून तक दस्तक देने वाला मानसून इस बार करीब 10 दिन की देरी से यानी 25 जून के आसपास प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

मानसून में हो रही इस देरी के कारण जून में होने वाली सामान्य बारिश के आंकड़े में भारी गिरावट आई है। मौसम केंद्र भोपाल के मुताबिक, 1 जून से अब तक प्रदेश में सामान्य से 39% कम पानी गिरा है, जिसमें पूर्वी हिस्से के हालात ज्यादा चिंताजनक हैं। बड़वानी जिले के खड़की में मौसम की मार देखने को मिली। यहां तेज आंधी और बारिश ने दो किसान भाइयों अंबाराम और गंगाराम की 9 एकड़ में खड़ी केले की फसल को पूरी तरह तबाह कर दिया। बाजार में बिकने के लिए तैयार करीब 1500 पौधे जमीन पर बिछ गए। किसान भाइयों के मुताबिक, फसल पर 14 लाख की लागत आई थी और कुल 36 लाख का नुकसान हुआ है। इस भारी नुकसान के सदमे से किसान अंबाराम की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें राजपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से तुरंत सर्वे कराकर मुआवजे की मांग की है।

जल्दबाजी में बोवनी पड़ सकती है भारी

कम बारिश के चलते खरीफ सीजन की मुख्य फसलों (सोयाबीन, उड़द, मूंग और तूअर) की बुवाई अटक गई है। शाजापुर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसएस धाकड़ ने किसानों को सलाह दी है। उन्होंने कहा- फसलों की बोवनी के लिए जमीन में पर्याप्त नमी होना जरूरी है। इसके लिए कम से कम 4 इंच (100 मिमी) बारिश आवश्यक है। जिन जिलों में किसानों ने कम पानी में ही सोयाबीन की बोवनी कर दी है, वहां अब बीज खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। इसलिए किसान भाई पर्याप्त बारिश का इंतजार करें। पांढुर्णा के किसान चिरकुट पराड़कर बताते हैं कि मृग नक्षत्र शुरू हुए 13 दिन बीत चुके हैं। खेत जुताई के साथ तैयार हैं, लेकिन पर्याप्त बारिश न होने से पैदावार प्रभावित होने की चिंता बढ़ गई है।

नीट परीक्षा की तैयारी, चाक-चौबंद रहेगी व्यवस्था

पहली बार परीक्षार्थियों के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

परीक्षा की तैयारियों के लिए बैठकों का दौर जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 को लेकर मध्यप्रदेश में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। प्रदेश के 30 शहरों के 283 परीक्षा केंद्रों पर करीब 1.18 लाख अभ्यार्थी 21 जून को परीक्षा देंगे। सरकार ने इसके निष्पक्ष एवं पारदर्शितापूर्ण आयोजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। दूसरी तरफ अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे पहली बार विशेष ट्रेन संचालित करेगा। ताकि अभ्यर्थी अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। दूसरी ट्रेनें भी प्रभावित न हों।

नीट परीक्षा आयोजन को लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देश दिए कि भोपाल जिले के सभी 32 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, निर्बाध बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा का निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी केंद्रों पर दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग फ्रिस्किंग, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और भीड़ प्रबंधन के लिए तय प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

कलेक्टर ने प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर जनरेटर, प्राथमिक उपचार किट, ओआरएस, चिकित्सकीय दल, स्वच्छ शौचालय, क्लॉक रूम तथा अभिभावकों के बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। नीट परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे 20 जून को इंदौर-भोपाल-रतलाम स्पेशल ट्रेन चलाएगा। ट्रेन सुबह 11:25 बजे इंदौर से रवाना होकर शाम 7:00 बजे भोपाल पहुंचेगी तथा उसी दिन 7:40 बजे भोपाल से रतलाम के लिए प्रस्थान करेगी। ट्रेन में 17 कोच होंगे, जिनमें 13 स्लीपर, दो सामान्य श्रेणी और दो एसएलआर/डी कोच शामिल हैं। रेलवे का कहना है कि अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पहली बार यह विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही रेलवे ऐप से अनारक्षित टिकट बुक कराने पर 14 जुलाई तक तीन प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। रेलवे जानकारों के मुताबिक ट्रेन चलने की वजह से रेलवे का सामान्य यातायात प्रभावित नहीं होगा।

कांग्रेस का 'छात्रों की गूंज' अभियान

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की सहमति से 'युवा मामलों' की कमेटी गठित की है। कमेटी का उद्देश्य नीट परीक्षा से जुड़े कथित अनियमितताओं और प्रभावित विद्यार्थियों की समस्याओं को सामने लाना तथा उनके सुझावों के आधार पर आगे की रणनीति तैयार करना है। अभियान के तहत प्रदेशभर में छात्रों से संवाद किया जाएगा। कमेटी में पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, जयवर्धन सिंह, सचिन यादव, कुणाल चौधरी, यश घनघोरिया, विपिन वानखेड़े, मितेन्द्र सिंह, आशुतोष चौकसे, मनीष चौधरी, पोरलाल खरते, आनंद जाट और सफद खान सहित 12 युवा नेताओं को शामिल किया गया है। बता दें कि नीट परीक्षा को लेकर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए हैं।

सिर्फ कागजों तक सीमित शिफ्टिंग प्रोसेस

हलालपुर क्षेत्र है बारूद के ढेर पर पटाखों की दुकानों से डर रहे लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के हलालपुर क्षेत्र में संचालित पटाखा दुकानें और गोदाम अब घनी आबादी के बीच आ चुके हैं, लेकिन इन्हें शहर से बाहर शिफ्ट करने की योजना वर्षों बाद भी धरातल पर नहीं उतर सकी है। हाल ही में सोनी पटाखा सेंटर में लगी भीषण आग की घटना ने एक बार फिर सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक निगरानी और विस्फोटक सामग्री के भंडारण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बावजूद पटाखा बाजार का संचालन पहले की तरह जारी है और हजारों लोगों की सुरक्षा खतरे में बनी हुई है।

आवासीय कॉलोनियों के लिए खतरा दुकानें : जानकारी के अनुसार हलालपुर स्थित पटाखा बाजार में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का भंडारण और विक्रय किया जाता है। समय के साथ आसपास आवासीय कॉलोनियों का विस्तार होने से यह क्षेत्र अब घनी आबादी वाले इलाके में तब्दील हो चुका है। ऐसे में किसी भी दुर्घटना का असर सिर्फ व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास रहने वाले हजारों परिवार इसकी चपेट में आ सकते हैं। पटाखा बाजार को आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का मुद्दा कई वर्षों से उठता रहा है। प्रशासनिक स्तर पर इसके लिए प्रस्ताव भी तैयार किए गए और

वैकल्पिक स्थानों पर विचार किया गया, लेकिन कानूनी अड़चनों, भूमि आवंटन से जुड़े विवादों और विभागीय प्रक्रियाओं के कारण मामला आगे नहीं बढ़ सका। नतीजतन बाजार पुराने स्थान पर संचालित हो रहा है।

कारोबारियों को दिए नोटिस का कर रहे इंतजार: आग लगने के बाद प्रशासन ने पटाखा दुकानों की जांच की तो पता चला कि यहां पर सात दुकानों को छोड़ दिया जाए, तो बाकि अन्य के पास वैध लाइसेंस नहीं मिले हैं। इसके अलावा पांच पटाखा गोदामों में बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण पाया गया है, जो कि बड़े खतरे से कम नहीं हैं। दुकानों का संचालन करने के आड़ में भी बड़ी गोदाम बना रखी हैं। इसके लिए प्रशासन ने सीमांकन तक करवाया है। जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन को सौंप दी है। अब प्रशासन कारोबारियों को दिए नोटिस के जवाब का इंतजार कर रहा है।

भीषण आग ने खोल दी थी सुरक्षा व्यवस्था की पोल

सोनी पटाखा सेंटर में लगी भीषण आग ने यह साबित कर दिया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर की चूक बड़े हादसे का कारण बन सकती है। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल रहा और एक बार फिर बाजार को शिफ्ट करने की मांग तेज हो गई है। हालांकि घटना के बाद प्रशासन ने जांच और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की बात कही है, लेकिन स्थायी समाधान अब भी दूर दिखाई दे रहा है। अन्य कारोबारियों का कहना है कि विस्फोटक सामग्री के भंडारण और बिक्री के लिए आबादी से दूर पृथक क्षेत्र निर्धारित होना चाहिए। उनका मानना है कि शहरी विस्तार के बीच ऐसे कारोबार को जारी रखना जोखिमपूर्ण है और भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। अपर कलेक्टर सुमित पांडे ने बताया कि पटाखा दुकान व गोदाम को हलालपुर से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाना है, जिसको लेकर तैयारी की जा रही है। इससे पहले कारोबारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। रिपोर्ट में अनियमितताएं मिली हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वेतन कटने को लेकर भयभीत, अतिथि शिक्षकों का भुगतान भी अटका

ई-अटेंडेंस : स्कूल में शिक्षक मौजूद फिर भी ऐप बता रहा उन्हें गैरहाजिर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में लागू ई-अटेंडेंस की तकनीकी खामियां शिक्षकों के लिए अकारण परेशानी का कारण बन गई है। हमारे शिक्षक ऐप में इतनी बड़ी खामियां है कि शिक्षक स्कूल में मौजूद है, लेकिन ऐप उनको गैरहाजिर बता रहा है। इस बारे में जिम्मेदार भी कुछ कहने से बच रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में करीबन 3.50 लाख शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस लागू की गई है। इसके एक साल पूरे हो गए हैं। हालांकि शिक्षकों के विरोध और तकनीकि खामियों के कारण अभी तक किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा गया। लेकिन चार दिन पहले जून से ई-अटेंडेंस में अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन काटने का आदेश आयुक्त ने जारी किया है। शिक्षकों ने कहा कि आयुक्त ने आदेश तो जारी कर दिया, लेकिन इससे पहले ऐप में आ रही तकनीकी खामियों को दूर करें। केवल तकनीकी त्रुटियों के कारण किसी भी शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई न की जाए तथा लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

स्कूल परिसर में होने के बाद दिखाई अनुपस्थिति

ये ऐप आठ जून से स्कूल जा रहे शिक्षक, स्कूल परिसर में मौजूद होने और फेस वेरिफिकेशन सफल होने के बावजूद उपस्थिति दर्ज नहीं ले रहा है। ऐप वास्तविक स्थान की बजाय शिक्षकों को कई किलोमीटर दूर दिखा रहा है। सबसे ज्यादा डर अतिथि शिक्षकों को है, जिनका वेतन दो माह से लंबित है। बता दें कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पारदर्शिता और समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने लागू की गई ई-अटेंडेंस प्रणाली शुरू से विवादों में है। शिक्षकों का आरोप है कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण स्कूल में मौजूद रहने के बावजूद उनकी उपस्थिति दर्ज नहीं हो रही है, जिससे सेवा रिकॉर्ड और वेतन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। एक शिक्षक ने बताया कि विद्यालय परिसर में वह 15 जून को मौजूद था। उसका फेस वेरिफिकेशन भी सफल रहा, लेकिन ई-अटेंडेंस ऐप उसकी लोकेशन, स्कूल से करीब 2165 मीटर दूर दिखा रहा है, जिससे उसकी उपस्थिति दर्ज नहीं हो सकी।

लोकेशन की सही मैपिंग नहीं की : कौशल

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि कोई कर्मचारी निर्धारित समय पर अपने कार्यस्थल पर मौजूद है, तो केवल तकनीकी त्रुटि के आधार पर उसे अनुपस्थित नहीं माना जा सकता। उन्होंने है कि ई-अटेंडेंस को अनिवार्य बनाने से पहले सभी स्कूलों और कार्यालयों की लोकेशन का सही मैपिंग और सिस्टम की तकनीकी जांच करनी चाहिए थी। कौशल ने मांग की है कि ई-अटेंडेंस प्रणाली की सभी तकनीकी खामियों को तत्काल दूर करें। गलत लोकेशन मैपिंग को सुधारा जाए। जब तक व्यवस्था सुचारु नहीं होती, तब तक वैकल्पिक उपस्थिति प्रणाली लागू की जाए।

भोपाल मेला उत्सव समिति ने 100 बच्चों को बांटे बैग

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

नवयुवक सभा द्वारा संचालित आनंदराम टी. शाहानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय के 100 बच्चों को स्कूल बैग का वितरण किया गया। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी और भोपाल मेला उत्सव समिति के सहयोग से यह कार्य किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति द्वारा मुख्य अतिथि अजय सौगानी महासचिव, भोपाल मेला उत्सव समिति, कार्यकारिणी सदस्य योगेश मुखेरिया, राजेंद्र गर्ग का शॉल व श्रीफल भेंटकर स्वागत किया गया। सभा के अध्यक्ष श्री वासदेव वाधवानी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। सौगानी ने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, संस्था के कोषाध्यक्ष धर्मप्रकाश मोटवानी ने भोपाल मेला उत्सव समिति के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सभा के धर्मप्रकाश मोटवानी, दिनेश वाधवानी, विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान, प्रधानाचार्या प्रिया धर्मदासानी सहित समस्त शिक्षक गण और विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नेहा चेनानी द्वारा किया गया।

भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू, किसानों को मिलेगा चार गुना मुआवजा

इटारसी-बीना सेक्शन पर चौथी रेल लाइन को मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे की सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल इटारसी- भोपाल- बीना सेक्शन पर 237 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन को मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए रेल प्रशासन, राज्य सरकार के सहयोग से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसमें जिन किसानों की जमीन आएगी, उनको चार गुना मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। भूमि अधिग्रहण की जारी गाइडलाइन जारी कर दी है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि पूरी प्रक्रिया पहले राज्य सरकार के राजस्व अधिकारी करेंगे। फिर जमीन अधिगृहित कर रेलवे को देंगे। इसमें ध्यान रखा जाएगा कि नई कृषि भूमि का अधिग्रहण नहीं करना है। चूंकि प्रोजेक्ट अभी सर्वे और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर के चरण में है, इसलिए मुआवजे के दायरे में आने वाले किसानों की सटीक या अंतिम संख्या राज्य या रेलवे प्रशासन ने अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

ऐसी होगी प्रक्रिया

- चौथी रेल लाइन के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने तीन जिलों भोपाल, सीहोर और विदिशा जिलों के सात एसडीएम को विशेष अधिकार दिए गए हैं।
- ये अधिकारी प्रभावित किसानों और जमीन मालिकों की आपत्तियों का निराकरण करेंगे। मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया पूरी कर रेलवे को भूमि हस्तांतरित करेंगे।
- रेलवे अधिनियम के तहत इस विशेष रेल परियोजना का प्रारंभिक अधिसूचना जारी होने के बाद अब प्रभावित गांवों और खसरों का चिन्हांकन तेज किया जाएगा।
- इस परियोजना के अधिकांश हिस्सों के लिए किसी भी नई भूमि का अधिग्रहण नहीं होगा।
- रेलवे पहले से उपलब्ध अपनी जमीन का ही उपयोग करेगा। इसके बाद कुछ स्थानों पर तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार जमीन अधिग्रहण होगा।
- यदि कोई हिस्सा शहरी क्षेत्र में आता है, तो वहां गाइडलाइन का दोगुना मुआवजा देय होगा। वही किसान की जमीन का चार गुना मुआवजा देगा।

बता दें कि रेल मंत्रालय ने लगभग 4329 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में डीपीआर के लिए 100 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि भी जारी कर दी गई है।

श्रुत पंचमी पर जैन मंदिरों में की गई जिन आराधना

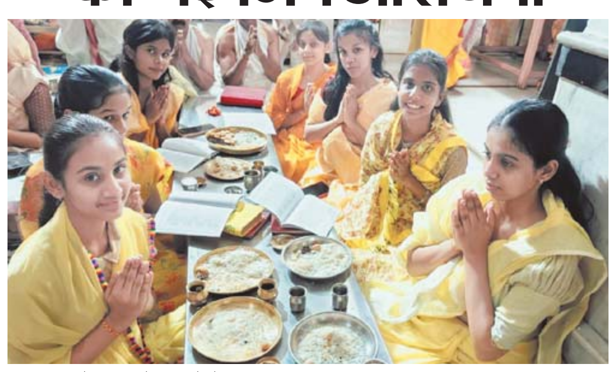

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर शहर के जैन मंदिरों में जिनवाणी शास्त्र की विशेष आराधना की गई। सभी मंदिरों में श्रुत आराधना के साथ विशेष पूजा अर्चना अनुष्ठान हुए, जिनालयों में जिनवाणी शास्त्र सजाये गए।

शंकराचार्य नगर मंदिर में आचार्य विराग विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य उपाध्याय विश्रुत सागर और मुनि निर्वेद सागर के सानिध्य में भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक हुआ। नंदीश्वर जिनालय में जिनवाणी शोभा यात्रा निकली। महिलाओं ने मस्तक पर जिनवाणी विराजमान कर नंदीश्वर जिनालय की परिक्रमा की। इस अवसर, पर महिला परिषद पद्मावती संभाग माता त्रिशला शाखा की महिला सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद थे। प्रवक्ता अंशुल जैन के अनुसार जैन धर्म में श्रुत पंचमी ज्ञान और शास्त्रों की आराधना का एक प्रमुख पर्व है, जो प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। इस दिन शास्त्रों की साफ-सफाई, जिनवाणी पूजन, उपवास और साधु-संतों को जिनवाणी दान होता है।

भंभाराम का 92 साल में देहावसान सेवा सदन अस्पताल को किया नेत्रदान

संतनगर. संतनगर निवासी वयोवृद्ध समाजसेवी और संतजी के शिष्य मामा भंभाराम पंजवानी का गुरुवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मामाजी ने अपने जीवन के अंतिम 35 वर्ष लगातार सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय% में नेत्र रोगियों की निस्स्वार्थ सेवा में बिताए। सेवा सदन अस्पताल में वे नेत्र रोगियों के लिए संचालित भंडारे (रसोई) की पूरी व्यवस्था संभालते थे। वे प्रतिदिन अलसुबह 5 बजे भंडारे में पहुँच जाते थे और मरीजों के लिए चाय-नाश्ता बनवाने से लेकर, मरीजों और उनके अटेंडेंट्स के लिए दिनभर के भोजन की तैयारी करवाने जैसे सेवा कार्य करते थे। मामा भंभाराम अपने पीछे चार पुत्र—नंदलाल, जनकराम, सुरेश और सुनील—तथा भरा-पूरा पंजवानी परिवार छोड़ गए हैं। दिवंगत आत्मा के पुत्र सुरेश पंजवानी ने अपने पूज्य पिताजी की इच्छा और सेवा भावना का सम्मान करते हुए उनकी आँखें %सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय% को दान कर दी हैं। मामा जी के ये नेत्र अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित कर उन्हें नई रोशनी प्रदान करेंगे। मामा भंभाराम का अंतिम संस्कार 19 जून को संत हिरदाराम नगर विश्राम घाट में किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

नरेला विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक में मंत्री सारंग ने कहा-

भू-माफियाओं पर सख्ती कर अतिक्रमण हटाए जाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में भोपाल शहर एवं नरेला विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए भू-माफियाओं और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए। मंत्री ने मोती नगर, रेलवे भूमि, अशोका गार्डन और अन्य क्षेत्रों में अवैध कब्जों को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही विकास परियोजनाओं के लिए

आवश्यक भूमि को शीघ्र उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना और 'हाउसिंग फॉर ऑल' परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मंत्री सारंग ने रचना नगर, नयापुरा, गैस राहत कॉलोनी, कस्तूरबा नगर, पलासी और चांदबढ़ स्थित कपड़ा मिल की भूमि पर नई आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जा सकेगा और लंबित परियोजनाओं को गति मिलेगी।

मानसून को देखते हुए मंत्री ने पूरे शहर में प्री-मानसून सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर भवनों, कमजोर संरचनाओं और जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। ऐशबाग के लगभग 600 जर्जर मकानों और गौतम नगर के पुराने पुलिस क्वार्टरों को तत्काल खाली कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। मंत्री ने कहा कि भोपाल को सुरक्षित, आधुनिक और अतिक्रमण मुक्त शहर बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल स्रोतों के संरक्षण पर दिया स्पष्ट और कड़ा संदेश

तालाबों-कुओं पर कब्जा अब नहीं चलेगा अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त अभियान

▸ लिंबोदी तालाब का निरीक्षण श्रमदान में भी हुए शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहरों के तालाबों, कुओं और उनसे जुड़े जल मार्गों (चैनलों) पर हुए अतिक्रमण को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि अब अवैध कब्जों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा और किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई तय है और इन्हें मूल स्वरूप में लौटाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के बाद अब जल संरक्षण के क्षेत्र में भी देश के सामने मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने शहर में 10 से अधिक बड़े तालाबों, 250 से अधिक कुओं और बावड़ियों के संरक्षण कार्यों की सराहना की और कहा कि यह कार्य अन्य शहरों के लिए उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने लगभग 100 वर्ष पुराने लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं श्रमदान कर यह स्पष्ट संदेश दिया कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि जन आंदोलन होना चाहिए। उन्होंने उपस्थित नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए कहा कि जल ही जीवन है और इसकी एक-एक बूंद की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण, उनकी सफाई और आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त रखना अब अनिवार्य होगा। सरकार ने गुड़ी-पड़वा से शुरू किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में अब तक 2 लाख से अधिक जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन कार्य पूरे किए हैं, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

अमृत 2.0 के तहत तेज हो रहा विकास

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शहर के तालाबों, कुओं और बावड़ियों के संरक्षण, पुनर्निर्माण और विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत स्टोन बोल्डर पिचिंग, टो-वॉल निर्माण, बंधान पर रैलिंग, इको-फ्रेंडली पाथ-वे और स्टोन बेंच जैसे संरचनात्मक और सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे जल संरचनाएं न केवल सुरक्षित बल्कि अधिक उपयोगी और आकर्षक बन रही हैं।

जल संरक्षण अभियान को आगे ब ढ़ा का संकल्प

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक मधु वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे। सभी ने जल संरक्षण के इस अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

राज्यों को नियमों के कड़ाई से पालन के निर्देश

बरगी जैसे हादसों को रोकने के लिए जल परिवहन सुरक्षा पर केंद्र सरकार की नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जबलपुर के बरगी डैम में हुए क्रूज हादसे और देश के अन्य हिस्सों में हाल के दिनों में सामने आई नाव दुर्घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने अंतर्देशीय जल परिवहन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्यों को सतर्क किया है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने राज्यों को सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा है। आईडब्ल्यूएआई के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र भेजकर अंतर्देशीय पोत अधिनियम-2021 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया है। पत्र में हाल ही में उत्तर प्रदेश के वृंदावन और मध्यप्रदेश के बरगी डैम में हुई नाव दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि ऐसी घटनाएं जल परिवहन सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता दर्शाती हैं।

नावों की फिटनेस से लेकर लाइफ जैकेट तक पर फोकस- प्राधिकरण ने अपने पत्र में कहा है कि सभी नावों और क्रूज सेवाओं के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। इसमें पोतों का पंजीयन, समय-समय पर तकनीकी परीक्षण, फिटनेस प्रमाणन, बीमा, सुरक्षित संचालन, संचार व्यवस्था, पर्याप्त लाइफ जैकेट, अग्निशमन उपकरण और प्रशिक्षित चालक दल की उपलब्धता जैसे प्रावधान शामिल हैं। आईडब्ल्यूएआई ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा नियमों का निर्माण केंद्र स्तर पर किया जाता है, लेकिन उनका पालन सुनिश्चित कराने और निगरानी की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है। प्राधिकरण ने उन राज्यों को भी आवश्यक अधिसूचनाएं जारी करने की सलाह दी है, जहां अभी तक नियमों के पूर्ण क्रियान्वयन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। साथ ही संबंधित अधिकारियों की नियुक्ति पर भी जोर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि 30 अप्रैल 2026 को जबलपुर के बरगी डैम क्षेत्र में एक पर्यटक क्रूज खराब मौसम और तेज लहरों की चपेट में आने के बाद पलट गई थी। हादसे के समय नाव में लगभग 35 से 40 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। दुर्घटना में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद जल पर्यटन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

मध्यप्रदेश के जल पर्यटन स्थलों पर हो सकती है समीक्षा

केंद्र के पत्र के बाद मध्यप्रदेश में बरगी डैम, तवा जलाशय, गांधी सागर, बाणसागर सहित अन्य जल पर्यटन केंद्रों पर संचालित नावों और क्रूज सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की संभावना बढ़ गई है। संबंधित विभाग पंजीयन, फिटनेस, बीमा, सुरक्षा उपकरणों और चालक दल की पात्रता की जांच कर सकते हैं। आईडब्ल्यूएआई ने मुख्य सचिव से विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का अनुरोध किया है। प्राधिकरण का मानना है कि सुरक्षा मानकों का प्रभावी पालन ही जल परिवहन सेवाओं को सुरक्षित बनाने और यात्रियों का विश्वास कायम रखने का सबसे बेहतर तरीका है।

सीएम ने दी राज्य स्तरीय टास्क फोर्स को मंजूरी

आंध्रप्रदेश को टाइगर-गौर देंगे, वाइल्ड डॉग्स लेंगे, सफारी गाड़ियों को बढ़ाने पर हुआ मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आंध्रप्रदेश सरकार की ओर से मध्यप्रदेश से बाघ और गौर की डिमांड की गई है। उन्हें बाघ और गौर देने के लिए कार्रवाई की जाए, बदले में आंध्रप्रदेश से वाइल्ड डॉग्स या अन्य वन्य प्राणी लेने के प्रयास किए जाएं। इसी प्रकार राजस्थान सरकार द्वारा सोन चिरैया देने पर सहमति व्यक्त की गई है। उनसे सोन चिरैया प्राप्त कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि वन विभाग वन्य पर्यटन का तेजी से विस्तार करे। वन पर्यटन बढ़ाने के लिए पर्यटकों के लिए सुविधाएं भी बढ़ाई जाएं। उन्हें होम-स्टे जैसे आकर्षणों के बारे में भी बताया जाए। सफारी गाड़ियों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जाए। इससे पर्यटक तेजी से जुड़ेंगे।

वन विभाग के कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जंगल की सीमा में जनजातीय बंधुओं के देवस्थानों को समुचित तरीके से उनके रीति-रिवाजों के अनुसार ही विकसित करें। बताया गया कि इस साल 300 देवस्थान विकसित किए जाएंगे। इससे पहले 1421 देवस्थान विकसित किए जा चुके हैं।

मुख्यालय स्तर पर कन्ट्रोल रूम की स्थापना

मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा राज्य टाइगर स्ट्राइक फोर्स की तर्ज पर वनों के संगठित अपराधों के सख्ती से नियंत्रण के लिए राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसी प्रकार वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए वन मुख्यालय स्तर पर कमॉण्ड एवं कन्ट्रोल रूम की स्थापना के प्रस्ताव का भी अनुमोदन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खनिज के परिवहन के लिए वन विभाग को परिवहन अनुज्ञा शुल्क में वृद्धि करने के प्रस्ताव को भी अनुमति दी।

मानव व वन्य जीव संघर्ष राज्य आपदा घोषित होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानव और वन्य जीव संघर्ष को राज्य आपदा घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि ऐसे संघर्ष में प्रशासन, पुलिस, वन विभाग और आपदा मोचन बल मिलकर ऐसी आपदा का समुचित प्रबंधन कर सकेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव वन संदीप यादव ने बताया कि राजस्थान से सोन चिरैया प्राप्त कर उन्हें घाटीगांव और गांधीसागर के जंगलों में छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में कुल 52 चीते मौजूद हैं, इनमें से 32 चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में जन्में हैं।

सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी को बचाने के लिए पर्यावरणविद् डॉ. राखी बाला का बड़ा ऐलान

स्याही से नहीं जागा सिस्टम, अब खून से जगाऊंगी

पचमढ़ी, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन और सतपुड़ा की रानी कहे जाने वाले पचमढ़ी के प्राकृतिक सौंदर्य, जल स्रोतों और जंगलों को बचाने के लिए अब तक की सबसे अनोखी और हिला देने वाली जंग शुरू होने जा रही है। पचमढ़ी में लगातार हो रहे अवैध निर्माणों और पर्यावरण नियमों की धज्जियां उड़ाए जाने के खिलाफ पर्यावरणविद् डॉ. राखी बाला ने प्रशासनिक निष्क्रियता के विरोध में एक बेहद कड़े संवैधानिक और रणनीतिक प्रतिरोध की घोषणा कर दी है। वे जल्द ही जिले के कलेक्टर को स्याही से नहीं, बल्कि अपने रक्त (खून) से पत्र लिखकर इस सोए हुए सिस्टम को जगाने का प्रयास करेंगी। डॉ. राखी बाला का कहना है कि पचमढ़ी के पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक धरोहरों को बचाने के लिए उन्होंने हर दरवाजा खटखटाया।

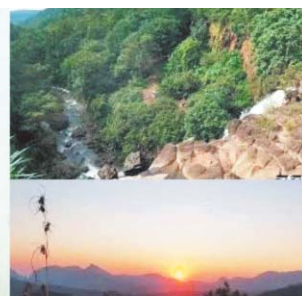

अनसुनी रहीं शिकायतें: पचमढ़ी के नदी-नालों, जलाशयों और प्रतिबंधित वन क्षेत्रों में हो रहे अतिक्रमण को लेकर स्थानीय प्रशासन से लेकर कलेक्टर जनसुनवाई तक कई बार पुख्ता सबूतों के साथ आवेदन दिए गए।

बढ़ रहे भू-माफियाओं के हौसले: अधिकारियों की इस रहस्यमयी खामोशी और उदासीनता का नतीजा यह हुआ कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों और अवैध निर्माण करने वालों के हौसले सातवें आसमान पर पहुंच चुके हैं।

अनोखा प्रतिरोध: इसी उदासीनता को तोड़ने के लिए अब डॉ. राखी बाला ने खून से पत्र लिखने का यह कड़ा और भावुक कदम उठाने का फैसला किया है।

पुलिस की अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जून माह में अब तक विभिन्न जिलों में प्रभावी कार्रवाई कर पुलिस ने अवैध शराब, तस्करी में प्रयुक्त वाहन तथा अन्य सामग्री सहित लगभग 2 करोड़ 86 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। थांदला, क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 176 पेटियों से अधिक अवैध शराब एवं वाहनों सहित लगभग 47 लाख 71 हजार मूल्य की संपत्ति जब्त की है।

प्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग के स्कूल भी शिक्षा विभाग को सौंपने की तैयारी

भोपाल। शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार के लिए मध्य प्रदेश में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। स्कूल शिक्षा व्यवस्था अब एक ही विभाग के अधीन होगी। अभी स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अलग-अलग स्कूल संचालित किए जाते हैं। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की मंशा है कि स्कूल शिक्षा विभाग ही स्कूली शिक्षा का पूरा काम देखे।

इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित किए जा रहे 24,196 स्कूलों का मर्जर स्कूल शिक्षा विभाग में किया जाएगा। यह काम चरणबद्ध तरीके से होगा, जिसमें चार से पांच वर्ष लग सकते हैं। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने कैबिनेट बैठक के लिए प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे अभिमत प्राप्त करने के लिए जनजातीय कार्य विभाग को भेजा जा रहा है। अभिमत के आधार पर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंडों में स्कूल शिक्षा की व्यवस्था जनजातीय कार्य विभाग को इस विचार के साथ दी गई थी कि वह ध्यान केंद्रित करके काम करेगा जिसका लाभ आदिवासी समुदाय को होगा। मगर इसके अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। हुआ यह कि एक नई व्यवस्था खड़ी हो गई।

आठ करोड़ 23 लाख रुपये जुट गए

दुर्लभ बीमारी से जूझ रही मासूम कनिका का अब हो सकेगा इलाज

इंदौर, दोपहर मेट्रो

एसएमए टाइप-2 बीमारी से पीड़ित इंदौर की मासूम कनिका शर्मा का इलाज अब हो सकेगा। इलाज के लिए 9 करोड़ रुपये की जरूरत है और 8.23 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं। 70 लाख रुपये की और मदद मिलते ही इलाज के लिए उसे इंजेक्शन लगाया जाएगा। कनिका के लिए यह राशि इंदौर निवासी उसके माता-पिता ने क्राउडफंडिंग के जरिए एकत्र की। कुछ एनजीओ ने भी इस काम में उनकी मदद की। कनिका को सबसे बड़ी मदद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रतीक कवात्रा ने की है। उन्होंने 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी है। इलाज के लिए माता-पिता ने इंदौर से भी 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जुटाई थी। इसके बाद उन्होंने दूसरे शहरों का रुख किया और वहां से भी राशि एकत्र की।

13 किलो से ज्यादा नहीं बढ़ने दिया वजन

कनिका को जो इंजेक्शन लगना है, उसके लिए मेडिकल शर्त यह थी कि बच्ची का वजन 13 किलो से ज्यादा न हो। इस कारण माता-पिता बच्ची को लिक्विड डाइट पर रख रहे थे, लेकिन परिवार के पास समय कम था, क्योंकि वजन नियंत्रित रखने के प्रयास में कनिका को कमजोरी भी आ रही थी। हालांकि, इससे पहले ही आवश्यक राशि लगभग जुट चुकी है। इससे कनिका की मदद के लिए जुटे लोगों ने राहत की सांस ली है।

दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता सेनानी पिता का हक दिलाने की जिद में सरकार से लड़ रहा 75 वर्षीय बेटा

21 साल, 4000 चिट्ठियां और एक अधूरी लड़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक ऐसा मामला सामने आया है, जो सिर्फ जमीन के टुकड़े का विवाद नहीं, बल्कि एक बेटे की अपने पिता के सम्मान के लिए लंबी लड़ाई की कहानी है। 75 वर्षीय सुभाषचंद्र दुबे पिछले 21 वर्षों से सरकार को पत्र लिख रहे हैं। उनकी मांग न तो मुआवजे की है और न ही किसी आर्थिक लाभ की। उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पिता रामलाल दुबे का सम्मान वापस चाहिए।

जानकारी के अनुसार टीटी नगर के 540 वर्गफीट के एलआईजी फ्लैट में रहने वाले सुभाषचंद्र दुबे भारतीय स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त हैं। उनकी पत्नी मंजुला दुबे संस्कृत की व्याख्याता रही हैं। दोनों की कोई संतान नहीं है और पेंशन के सहारे संतोषपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इसके बावजूद एक अधूरी लड़ाई उन्हें लगातार सक्रिय रखे हुए है।

1975 में मिली थी 10.41 एकड़ जमीन- दरअसल मामला ये है कि सुभाषचंद्र दुबे के पिता रामलाल दुबे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वर्ष 1975 में मध्य प्रदेश सरकार ने हरदा जिले के टिमरनी के पास स्थित जिनवानी गांव में उन्हें 10.41 एकड़ भूमि आवंटित की थी। इस आवंटन की ऋण पुस्तिका आज भी परिवार के पास सुरक्षित है।

लेकिन वर्ष 1978 में सरकार ने यह कहते हुए आवंटन निरस्त कर दिया कि संबंधित भूमि बड़े झाड़ के जंगल क्षेत्र में आती है। इसके बदले दूसरी जगह जमीन देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन वह वादा कभी पूरा नहीं हुआ।

जमीन नहीं, पिता के सम्मान की लड़ाई है

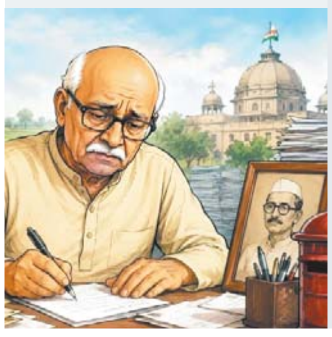

सुभाषचंद्र दुबे से लोग अक्सर पूछते हैं कि 75 वर्ष की उम्र में जमीन मिल भी गई तो उसका क्या करेंगे। इस पर उनका जवाब साफ है- मुझे जमीन या संपत्ति का लालच नहीं है। मैं और मेरी पत्नी पेंशन पर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। जो पेंशन मिलती है, उसका बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च कर देते हैं। वे कहते हैं, ‘यह लड़ाई जमीन के लिए नहीं, मेरे पिता के स्वाभिमान के लिए है। अगर सरकार जमीन नहीं देना चाहती तो स्पष्ट रूप से कह दे, लेकिन यदि हमारा हक बनता है तो उसे स्वीकार किया जाए। जानकारी के अनुसार कुछ समय पहले जिनवानी की जमीन के बदले भोपाल में एक प्लॉट देने की चर्चा हुई थी। सुभाषचंद्र इसके लिए भी तैयार थे, लेकिन वह प्रस्ताव भी फाइलों से आगे नहीं बढ़ पाया।

पिता ने लिखीं 1000 चिट्ठियां, बेटे ने 4 हजार

रामलाल दुबे ने अपने जीवनकाल में नेताओं और अधिकारियों को करीब एक हजार पत्र लिखे। वे लगातार न्याय की उम्मीद करते रहे, लेकिन उन्हें कोई ठोस जवाब नहीं मिला। न्याय के लिए संघर्ष करते हुए वर्ष 2005 में वह दुनिया से चले गए। पिता की मृत्यु के बाद बेटे सुभाषचंद्र दुबे ने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा ली। पिछले 21 वर्षों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, राजस्व विभाग और जनप्रतिनिधियों को चार हजार से अधिक पत्र लिख चुके हैं, लेकिन आज तक मामले का अंतिम निराकरण नहीं हुआ।

एआई का शीत युद्ध

बीसवीं सदी में तेल को शक्ति का स्रोत माना जाता था। इक्कीसवीं सदी की शुरूआत में सेमीकंडक्टर चिप्स वैश्विक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गए। अब दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल नवाचार का विषय नहीं रह गई है, बल्कि वह भूराजनीति, आर्थिक प्रभुत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा के समीकरणों को परिभाषित करने लगी है। हाल की घटनाओं ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई तकनीक के निर्माण की नहीं, बल्कि उसकी पहुंच और नियंत्रण की होगी। अब तक माना जाता था कि किसी देश की तकनीकी बढ़त का आधार उसके पास मौजूद हार्डवेयर, चिप्स और कंप्यूटिंग संसाधन हैं। लेकिन हालिया घटनाक्रम ने इस धारणा को बदल दिया है। पहली बार यह संदेश गया है कि स्वयं एआई मॉडल भी रणनीतिक परिसंपत्ति माने जा सकते हैं, जिनकी उपलब्धता पर सरकारें नियंत्रण स्थापित कर सकती हैं। यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इसका अर्थ यह है कि डिजिटल दुनिया में सीमाएं केवल भौगोलिक नहीं रहेंगी; वे तकनीकी पहुंच की अदृश्य दीवारों के रूप में भी सामने आएंगी। दरअसल, आधुनिक एआई मॉडल साधारण सॉफ्टवेयर नहीं हैं। वे विशाल डेटा, असाधारण कंप्यूटिंग क्षमता और वर्षों के अनुसंधान का परिणाम हैं। ये सिस्टम केवल प्रश्नों के उत्तर नहीं देते, बल्कि जटिल समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं, सॉफ्टवेयर विकसित कर सकते हैं और अनेक कार्यों को स्वायत्त रूप से संचालित कर सकते हैं। यही कारण है कि उन्हें अब आर्थिक उत्पाद से अधिक रणनीतिक संसाधन के रूप में देखा जाने लगा है। जिस प्रकार परमाणु तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान या उन्नत चिप निर्माण को राष्ट्रीय हितों से जोड़ा गया, उसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी अब उसी श्रेणी में प्रवेश कर रही है। इस बदलती व्यवस्था का सबसे गहरा असर उन देशों पर पड़ सकता है जो तकनीकी रूप से महत्वाकांक्षी हैं, लेकिन अभी भी वैश्विक मंचों और विदेशी प्रणालियों पर निर्भर हैं। भारत का नाम इनमें प्रमुखता से लिया जा सकता है। देश ने डिजिटल सेवाओं, स्टार्टअप नवाचार और डेटा अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, लेकिन अत्याधुनिक एआई मॉडल और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना के मामले में अभी भी बाहरी स्रोतों की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है।

आज की भौतिक दुनिया और तनाव भरी जीवन पद्धति में योग से जीवन को दिशा दें

गिरीश्वर मिश्र
महात्मा गांधी हिंदी विवि के पूर्व कुलपति

आज की डिजिटल और दौड़-धूप वाली ज़िन्दगी में हम खुद को भी वस्तुओं की भीड़ में खड़े पाते हैं। उस भीड़ में हम खोते जा रहे हैं और कभी-कभी खुद को भी पहचानना कठिन हो रहा है। घटनाओं का द्रुतगामी आवेग ऐसा हो रहा है कि हमारे जीवन का क्षण-क्षण कुछ नया पुराना जोड़ता जा रहा है और हम सब परिवर्तन के तनाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में जब कभी अपने स्वभाव को समझने चलते हैं तो अपने को बड़ी जटिल संरचना से मुखातिब पाते हैं, जिसमें मन और शरीर दोनों हैं जो सोचने और करने के दायित्व को निभाने का काम करते हैं। यह संरचना जटिल होते हुए भी सहज है क्योंकि उसके सारे अवयव एक संगति और लय में काम करते हैं। और तो और वे परस्पर निर्भर होने के कारण एक-दूसरे के पूरक भी हैं।

बात यहीं नहीं ख़त्म होती क्योंकि यह संरचना क्रियाशील है। यह एक जैविक उपकरण की तरह कार्य करता है जो सतत रचता रहता है। इसीलिए शरीर को प्रमुख या आद्य साधन माना गया है। कवि कालिदास के शब्दों में 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' कहकर स्मरण किया जाता है। गोस्वामी तुलसीदास उसे साधन-धाम कहते हैं जो मोक्ष यानी सारे कष्टों से छुटकारा दिलवाता है। इतिहास साक्षी है कि मनुष्य के कर्तृत्व की कोई सीमा नहीं है पर उसके लिए मन और शरीर की जुगलबंदी अच्छी तरह से होनी चाहिए। वस्तुतः मन-शरीर मिल कर जो कुछ भी हमें सृजन करने का मौक़ा देते हैं वह अपूर्व यानी नया होता है। मन में उठे विचारों से जो यात्रा शुरू होती है वह शब्दों और कर्मों से होकर विभिन्न उत्पादों के रूप में भैतिक जगत में मूर्त आकार पाती है। इस रची जाती दुनिया के साथ हमारा नित्य साबका पड़ता है और फिर हम भी बदलते हैं और हमारी दुनिया भी बदलती है। यह क्रम सदा चलता रहता है। सच कहें तो इस तरह की गतिशीलता या गतिमय होना जीवन की निशानी होती है। कहने को वह एक स्थिति भी है और प्रगति तथा विकास की यात्रा को दिशा भी देती है। वह पथ भी है और पाथेय भी।

आज के तेज़ी से डिजिटल हो रहे युग में बच्चे-बूढ़े सभी आमतौर पर ध्यान के भटकाव की शिकायत करते मिलते हैं। उनका चित्त स्थिर नहीं रह पाता है और इसके फलस्वरूप कोई काम ठीक से नहीं हो पाता और स्मृति भी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर यह सबका अनुभव है कि ध्यानावस्थित या दत्तचित्त होकर ही कोई कार्य सिद्ध किया जा सकता है। 'ध्यान देना' और कुछ नहीं, अपनी चेतना के सतत प्रवाह को एक दिशा में ले जाना है। हम ध्यान को किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना में केंद्रित या फ़ोकस करते है। इसके लिए स्वयं अपने ऊपर काम करना होगा। अपना उद्धार करने के लिए ख़ुद खड़ा होना होगा- उद्धरेदात्मनात्मानम्। इसके लिए अपने को वस्तु से हटकर साक्षी की भूमिका अपनानी पड़ती है।

सामान्य अनुभव तो यही है कि बाहर की दुनिया की चकाचौंध हमें खूब आकर्षित करती है पर उस तरफ़ आगे बढ़ने से किसी एक विचार या वस्तु पर ध्यान केंद्रित करने में बाधा पड़ती है। बाहरी दुनिया जिसे हम ठोस सच्चाई या ऑब्जेक्टिव ट्रुथ मानते हैं उसे परम सत्य समझने से हमारा मन उस सत्य के साथ उलझता चला गया। उसके आकर्षण में बंधकर आदमी ख़ुद को उसी में देखने-तलाशने का अभ्यास करने में जुट जाता है। उसके साथ जुड़ाव से उपजने वाली आसक्ति हमारी अपनी समझ और मौलिक पहचान को आशंकित करने लगती है और हम संशयग्रस्त हो जाते हैं।

बाहरी आकर्षण की पराकाष्ठा तब होती है जब द्रष्टा दृश्य में विलीन होने के लिए छटपटाने लगता है। चाहने वाले की तीव्र चाह चाही गई वस्तु के साथ एकमेक होने को आतुर हो उठती है। व्यापक पहचान घनीभूत होती है और वस्तु में समा जाती है। पर कोई वस्तु अंततः वस्तु ही होती है पर उससे आसक्ति उसे जो प्रबल रूप देती है उसके सामने सब झूठा पड़ जाता है। तीव्र भ्रम सत्य से प्रबल होकर कुछ भी करा सकता है (खबर आई थी कि कुछ दिनों पूर्व जापान में एक महिला ने डिजिटल/एआई/रोबो की आभासी कृति से शादी रचाई थी!)। कुल मिलाकर अन्तर्जगत और बाह्य जगत के साथ तालमेल बैठाना यानी ठीक तरह और ठीक जगह जोड़ना जुड़ना आज की सबसे बड़ी चुनौती हो रही है। आज पूरे विश्व में मनोरोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हो रही है। ऐसे में योग-शास्त्र और उसकी साधना बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। योग का अर्थ है जुड़ना, पर हर तरह का जुड़ना आकस्मिक या जानबूझकर मिलने का संयोग हो सकता है। योग-शास्त्र के अनुसार योग एक विशेष प्रकार से सायास जुड़ने का नाम है। योग विद्या के आलोक में अन्तर और बाह्य जगत के साथ हमारा रिश्ता नया ओजस्वी अर्थ प्राप्त कर लेता है। यम और नियम नैतिक जीवन जीने की प्रक्रिया बताते हैं तो आसन शरीर का रखरखाव और उसकी क्षमता को संबर्धित करने का काम कराते हैं। प्राणायाम हमारे श्वांस और प्राणिक ऊर्जा को व्यवस्था करते हैं। प्रत्याहार बाह्य दुनिया के साथ विवेकपूर्ण सामन्ध को नियमित करता है। ध्यान, धारणा और समाधि अंतरंग योग हैं जो चेतना के परिष्कार को संभव बनाते हैं।

भौतिक दुनिया के हमारे ज्ञान और आविष्कार की बदौलत आज हमारा दृश्य जगत तीव्र गति से अत्यंत गतिशील और निरंतर बदलने वाला होता जा रहा है। उसे देख और उससे जुड़ने के बाद जो रोमांच होता है वह हमें अस्थायी दृश्य में सत्य के आभास देने के साथ उसे और दृढ़ता से बाँधने वाला होता जा रहा है। आगे आने बदले दृश्यों की श्रृंखला की कल्पना हमें उसकी अनित्यता, अस्थायित्व या मिथ्यापन को ढँक लेती है। योग-शास्त्र में अविद्या (अज्ञान जो अस्थायी को स्थायी अनित्य को नित्य मानने को बाध्य करता है), अस्मिता (अपनी पहचान बनाने की तीव्र लालसा), राग, द्वेष और अभिनिवेश (अनंत जीवन की इच्छा) को पाँच क्लेशों के रूप में गिनाया गया है। ये सभी सतत अशांति को पैदा करते हैं पर हमारी मजबूरी यह है कि दृश्य से बंध कर हम उनको क्लेश भी नहीं समझते क्योंकि ऊपर से वे बड़े प्रिय लगते हैं। दृश्यों की विकराल विकट छाया हम पर इस तरह हावी होती जाती है कि हम उसी में खो जाते हैं। योग इस महारोग का उपचार है जो हमें हमारी अपनी समझ वापस लौटाता है। वह हमें पुनः अपने स्वरूप में, यानी द्रष्टा की भूमिका में, स्थापित करता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती : एक संत की हत्या पर ख़त्म नहीं हो रहा न्याय का इंतजार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत के लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था के सामने कुछ ऐसे प्रश्न खड़े हैं, जिनका उत्तर सिर्फ शासन की नीयत और प्रशासनिक जवाबदेही में छिपा हुआ है। ओडिशा के प्रसिद्ध संत, जनजातीय समाज के हितैषी और सनातन संस्कृति के प्रखर प्रवक्ता श्रद्धेय स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती की हत्या ऐसा ही एक प्रश्न बनकर आज भी देश के सामने खड़ी है। उनकी हत्या को लगभग दो दशक बीतने को हैं, किंतु न्याय की प्रक्रिया आज भी अधूरी दिखाई देती है। अब जब उनकी हत्या और उसके बाद हुई हिंसा की जांच से संबंधित महत्वपूर्ण आयोगों की रिपोर्टों के ही लापता होने की बात सामने आई है, तब यह मामला पूरे प्रशासनिक तंत्र की विश्वसनीयता का विषय बन गया है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत में किसी न्यायिक अथवा अर्ध-न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट भी गायब हो सकती है? यदि हां, तो फिर देश की संस्थाओं पर जनता भरोसा कैसे करे? जिन रिपोर्टों को वर्षों की जांच, साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर तैयार किया गया, वे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचने के बाद अचानक गायब हो जाती हैं और किसी को उनकी जानकारी नहीं होती। क्या यह प्रशासनिक लापरवाही है या इसके पीछे कोई बड़ा सच छिपा हुआ है?

स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती स्मृति न्यास ने जो सवाल उठाए हैं, वे उनके अनुयायियों की भावनाओं से जुड़े होने के साथ आज हर उस नागरिक की चिंता हैं जो कानून के शासन में विश्वास रखता है। यदि किसी सामान्य व्यक्ति की फाइल गायब हो जाए तो उसे अपनी गलती का दंड भुगतना पड़ता है लेकिन जब राज्य के सबसे महत्वपूर्ण कार्यालयों से न्यायिक जांच रिपोर्टें लापता हो जाती हैं, तब सवाल यह है कि आखिर जवाबदेही तय करने में वर्षों क्यों लग रहे हैं? यह भी विचारणीय है कि जिन रिपोर्टों को 2016 और 2018 में मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया था, वे 2024 तक सुरक्षित क्यों नहीं रखी जा सकीं? उसी अवधि की अन्य फाइलें वापस मिल जाती हैं, किंतु सबसे संवेदनशील जांच रिपोर्टें गायब रहती हैं। क्या यह मात्र संयोग है? क्या सरकार जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्वयं ही लुप्त हो गए? क्या इससे यह संदेह पैदा नहीं होता कि भले ही सरकार उड़ीसा में बदल गई है, किंतु कथित अपराधियों की पकड़ सचिवालय पर अब भी भारी है! निश्चित ही इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यह सर्वविदित है कि लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं पर संस्थाएं और अभिलेख जनता की संपत्ति होते हैं। यदि सत्ता परिवर्तन के दौर में महत्वपूर्ण दस्तावेजों के गायब होने की आशंका पैदा होती है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। सरकार को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि रिपोर्टें कहां हैं, उन्हें किसने संभाला और आखिर उनकी वर्तमान स्थिति क्या है। एक और बड़ा प्रश्न न्याय प्रक्रिया को लेकर है। यदि हत्या के इतने वर्षों बाद भी आयोगों की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकीं, तो आखिर किसकी रक्षा की जा रही है? जनता को सत्य जानने का अधिकार है। लोकतंत्र में गोपनीयता का उपयोग सत्य को दबाने के लिए नहीं किया जा सकता। यदि रिपोर्टों में ऐसे तथ्य हैं जो समाज को वास्तविकता से अवगत करा सकते हैं, तो उन्हें सार्वजनिक करने में संकोच क्यों?

वस्तुतः यह सभी को स्मरण रखना चाहिए कि संत स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए लंबा कार्य करनेवाले महान व्यक्तित्व हैं। उन्होंने अवैध धर्मांतरण के खिलाफ मुखर आवाज उठाई थी। ऐसे व्यक्ति की हत्या यदि आज भी विवादों और अनुत्तरित प्रश्नों से घिरी हुई है तो यह किसी एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं बल्कि उन हजारों-लाखों लोगों की भावनाओं के साथ भी अन्याय है जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं। अतः सरकार का यह दायित्व है कि वह सिर्फ प्राथमिकी दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री न माने। इससे अधिक आवश्यक है कि जांच निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध हो। यदि दस्तावेजों को जानबूझकर हटाया गया, छिपाया गया या नष्ट किया गया है तो यह न्याय प्रक्रिया को बाधित करने का गंभीर कृत्य है। ऐसे लोगों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। विश्व हिंदू परिषद और अन्य संगठनों द्वारा सीबीआई जांच की मांग भी इसी अविश्वास की पृष्ठभूमि में उठी है। जब राज्य की व्यवस्था स्वयं संदेह के घेरे में हो तब स्वाभाविक रूप से एक स्वतंत्र एजेंसी की मांग उठेगी। सरकार को इस मांग को जनता के विश्वास की कसौटी पर देखना चाहिए और एक स्वतंत्र एजेंसी को इस पूरे मामले में जांच अतिशीघ्र सौंप देना चाहिए। 2026 स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती का जन्म शताब्दी वर्ष है। देशभर में उनके योगदान को स्मरण करने की तैयारी हो रही है, किंतु विडंबना देखिए; जिस संत को श्रद्धांजलि देने की बात हो रही है, उनकी हत्या के पीछे का पूरा सच आज भी धुंध में छिपा हुआ है। क्या यह किसी सभ्य लोकतंत्र के लिए गौरव का विषय हो सकता है? ऐसे में आज आवश्यकता व्यवस्था में जनता का विश्वास पुनर्स्थापित करने की है।

अतः मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की सरकार के सामने यह अवसर भी है और चुनौती भी। यदि वह इस मामले में पूर्ण पारदर्शिता दिखाती है, रिपोर्टों को सार्वजनिक करती है, दोषियों की जवाबदेही तय करती है और हत्या की साजिश से जुड़े हर व्यक्ति को कानून के कटघरे तक पहुंचाती है, तभी यह कहा जा सकेगा कि न्याय जीवित है। अन्यथा देश यह पूछने को मजबूर होगा कि आखिर एक संत की हत्या पर न्याय का इंतजार कब तक? क्या न्याय भी किसी फाइल की तरह सरकारी दफ्तरों में खो गया है? और यदि ऐसा नहीं है तो सत्य को सामने आने से रोका क्यों जा रहा है? अब इन प्रश्नों का उत्तर ओडिशा सरकार के पूरे लोकतांत्रिक तंत्र को देना ही चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

सिर्फ वेट लॉस ही नहीं, दांतों और मेमोरी के लिए भी फायदेमंद हो सकती है ग्रीन टी

ग्रीन टी को ज्यादातर वजन कम करने और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने के लिए जाना जाता है। लेकिन इसके फायदे केवल वजन तक ही सीमित नहीं हैं। इसमें मौजूद पॉलीफेनॉल, कैटेचिन और एल-थीनिन जैसे तत्व आपकी ओरल हेल्थ के साथ ही ब्रेन फंक्शन और मेमोरी को भी बेहतर करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, यह याददाश्त से जुड़े लक्षणों के जोखिम को भी कम करने में मदद करती है।

चीजों को लंबे समय तक याद रखने के लिए मेमोरी पावर का अच्छा होना बेहद आवश्यक होता है। ठीक इसी तरह अच्छी मुस्कान के लिए आपकी ओरल हेल्थ और दांतों का स्वस्थ और चमकदार होना जरूरी माना जाता है। ब्रेन और ओरल हेल्थ में सुधार के लिए ग्रीन टी में कैटेचिन एपिगैलोकेचिग गैलेट, पॉलीफेनॉल और एल-थीनिन जैसे एक्टिव कंपाउंड फायदेमंद होते हैं। ग्रीन टी में मौजदू एंटीऑक्सीडेंट्स ब्रेन और ओरल हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

ग्रीन टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स को कम करने में सहायक होते हैं। फ्री रेडिकल्स सेल्स को डैमेज कर सकते हैं और लंबे समय से चली आ रही बीमारियों के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। एनसीबीआई के अध्ययन के अनुसार ग्रीन टी के पॉलीफेनॉल शरीर की सूजन को कम करने, सेल्स को सुरक्षा प्रदान करने और स्वास्थ्य को बेहतर करने में सहायक होते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद ईजीसीजी शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में भी मदद करता है।

ओरल हेल्थ के लिए फायदे: केवल ब्रश करने से ही ओरल हेल्थ को बेहतर नहीं किया जा सकता है। इसके लिए आपको अपने खानपान पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन दांतों में सड़न और मसूड़ों की समस्या को बढ़ाने वाले बैक्टीरिया को पनपने से रोकने में सहायक होता है।

जेएमपीसी के अनुसार ग्रीन टी में मौजूद पॉलीफेनॉल बैक्टीरिया को दांतों की सतह पर चिपकने से रोक सकते हैं, जिससे कैविटी होने का जोखिम कम हो सकता है। इसके अलावा, ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन कैविटी का कारण बनने वाले बैक्टीरिया की गतिविधि को भी कम कर सकते हैं। ग्रीन टी केवल एक सामान्य पेय नहीं है, बल्कि इसमें मौजूद कैटेचिन, पॉलीफेनॉल, ईजीसीजी और एल-थीनिन जैसे तत्व शरीर को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। उपलब्ध स्टडीज बताती हैं कि यह दांतों और मसूड़ों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, मुंह की दुर्गंध कम करने, ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने तथा मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समर्थन देने में मदद कर सकती है। हालांकि, इसे किसी बीमारी के इलाज का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

निशाना

कुछ कबूतर मार कर..!

चौ. मदन मोहन समर

बेच कर निष्ठाएं हम भी ताज घर ले आएंगे।
कुछ कबूतर मार कर हम बाज घर ले आएंगे।
दाद फैली जो भयंकर पीठ पर दिखती नहीं,
पर हथेली पर उठा कर खाज घर ले आएंगे।
बाँसुरी सन्तूर मधुरिम जलतरंगों की जगह,
शोर करते बेसुरे सब साज घर ले आएंगे।
ये ज़हर बाजार जाकर बेचने उनको दिया,
ना हमें था यह कभी अंदाज घर ले आएंगे।
जानते हैं बदलियों की यह चमक झुलसाएगी,
हम गिराने बुर्ज अपने गाज घर ले आएंगे।
जिन उड़ानों ने जलाकर पंख देखा था गगन,
उन परिंदों के शिकारी आज घर ले आएंगे।
इन तराशे पत्थरों के बादशाहो देखना,
हम तुम्हारे कुछ नए सरताज घर ले आएंगे।

सेफ्टी अलर्ट

मायथॉस जैसे एआई टूल्स पब्लिक के बीच जल्द आएंगे, क्या रुक सकेगा साइबर खतरा?

अमेरिकी सरकार ने एंथ्रोपिक के सबसे खतरनाक AI टूल मायथॉस के सेफ वर्जन 'फेबल 5' और 'मायथॉस 5' पर रोक लगा दी है। डर था कि साइबर अपराधियों के हाथ लगने पर इन टूल्स का बहुत गलत इस्तेमाल हो सकता था। लेकिन क्या सिर्फ रोक लगाने से खतरा टल गया है। एक्सपर्ट इससे सहमत नहीं दिखते। इसी साल अप्रैल में जब मायथॉस को प्रिव्यू के लिए लाया गया था, तब एंथ्रोपिक की फ्रंटियर रेड टीम के प्रमुख लोगन ग्राहम ने कहा था कि यह मामला किसी एक मॉडल या एंथ्रोपिक का नहीं है। हमें अगले 6 से 24 महीनों के अंदर एक ऐसी दुनिया के लिए तैयार रहना होगा, जहां ये खतरनाक क्षमताएं हर किसी के लिए आसानी से उपलब्ध होंगी। यानी आने वाले दो वर्षों में मायथॉस जैसे एआई टूल्स पब्लिक के बीच आ सकते हैं और मौजूदा समय में ना तो एआई कंपनियां और ना ही सरकारें इसके लिए तैयार हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, जब से मायथॉस एआई मॉडल आया है, एंथ्रोपिक खुद इसको लेकर बहुत अधिक अलर्ट है। वह चेतावनी देती रही है कि एआई मॉडल में सॉफ्टवेयर से जुड़े बग्स को ढूंढने की गजब क्षमता है, लेकिन यह तकनीक साइबर अपराधियों के हाथ लगी तो वो इसका गलत उपयोग कर सकते हैं। बड़ी संस्थाओं, बैंकों और सरकारों को इस एआई टूल के कारण साइबर अटैक का खतरा है। यही वजह है कि एंथ्रोपिक ने मायथॉस को पब्लिक के लिए नहीं पेश किया, सिर्फ चुनिंदा संस्थाओं तक सीमित रखा है।एंथ्रोपिक ने पिछले सप्ताह लोगों के लिए मायथॉस के सेफ वर्जन लॉन्च किए। इनका नाम Claude Fable 5 और Mythos 5 था। लेकिन अमेरिकी सरकार ने दोनों एआई टूल्स को विदेशी नागरिकों को नहीं देने का आदेश दिया, जिसके बाद एंथ्रोपिक ने टूल्स रोक दिए। यह मामला अब बातचीत की पर टेबल है। अमेरिकी सरकार इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की तरह देखती है। लगता है कि फेबल 5 में दी गई सिक्योरिटी को तोड़ा जा सकता है। हालांकि एंथ्रोपिक पहले ही यह चेतावनी दे चुकी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्सपर्ट का मानना है कि भले इस समय एंथ्रोपिक निशाने पर है, लेकिन आने वाले समय में दूसरी कंपनियों और ओपन सोर्स डेवलपर्स के पास भी मायथॉस 5 या उससे बेहतर क्षमताएं होंगी। साइबर सिक्योरिटी कंसल्टिंग फर्म- TPO ग्रुप की चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर तारा व्हीलर का कहना है कि यह सोचना बेहद नासमझी होगी कि कोई और कंपनी ऐसी तकनीक नहीं बनाएगी।

वायरल कंटेंट

स्मार्टफोन से परेशान हुआ पूरा गांव, लोगों ने ईंट-पत्थर से तोड़ डाले अपने-अपने फोन

आज के जमाने में स्मार्टफोन लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। सुबह आंख खुलने से लेकर रात में सोने तक ज्यादातर लोग मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम्स और इंटरनेट की दुनिया ने लोगों का ध्यान अपनी ओर इस कदर आकर्षित कर लिया है कि इसका असर उनकी पढ़ाई, कामकाज और रोजमर्रा की गतिविधियों पर भी पड़ने लगा है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

वायरल वीडियो में एक गांव के लोग बड़ी संख्या में एक जगह इकट्ठा दिखाई देते हैं। उनके हाथों में मोबाइल फोन नजर आते हैं. शुरुआत में सब कुछ सामान्य लगता है, लेकिन कुछ ही देर बाद ऐसा दृश्य देखने को मिलता है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। वीडियो में कई लोग अपने मोबाइल फोन जमीन पर पटकते दिखाई देते हैं, वहीं कुछ लोग ईंटों से अपने फोन को पूरी तरह तोड़ने की कोशिश करते नजर आते हैं।

दावा किया जा रहा है कि गांव के लोगों ने स्मार्टफोन की बढ़ती लत से परेशान होकर यह फैसला लिया। उनका मानना था कि मोबाइल की लत उनकी दिनचर्या, रिश्तों और जीवनशैली पर बुरा असर डाल रही थी। जहां पहले लोग आपस में मिल-जुलकर समय बिताते थे, वहीं अब ज्यादातर लोग अपने फोन में ही व्यस्त रहने लगे थे। गांव वालों का कहना है कि स्मार्टफोन की वजह से उनके कामकाज और सामाजिक जीवन पर भी असर पड़ रहा था। इसी कारण उन्होंने स्मार्टफोन छोड़कर दोबारा कीपैड फोन इस्तेमाल करने का फैसला लिया।

यह वीडियो एक्स अकाउंट @PRMundru से शेयर किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद कमेंट सेक्शन में लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई लोगों ने गांव वालों के इस कदम को साहसी बताया, तो कुछ लोगों ने इसे गलत भी कहा। एक यूजर ने लिखा- 'Education is important' यानी 'शिक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है।' वहीं कुछ लोगों का मानना था कि बदलते समय के साथ तकनीक को अपनाना भी जरूरी है और स्मार्टफोन को पूरी तरह छोड़ देना सही समाधान नहीं है। हालांकि कई यूजर्स ने इसे मोबाइल की लत के खिलाफ एक मजबूत संदेश बताया। यही वजह है कि यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इस पर खुलकर अपनी राय दे रहे हैं।

न्यूज विंडो

छात्रों ने ट्रेडिंग के लालच में चुनी क्राइम की राह, गैंग से मिलकर किया था फ्रॉड

उज्जैन। पुलिस ने साइबर ठगी के एक हाई-प्रोफाइल अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसपी प्रदीप शर्मा ने खुलासा किया कि पकड़े गए तीनों आरोपी बीटेक पास और उच्च शिक्षित हैं। कशिश बढ़ानी, राहुल उर्फ शानू और अनिमेष उर्फ अनुराग उर्फ अन्नी पिछले तीन साल से क्रिप्टो ट्रेडिंग में सक्रिय थे। ज्यादा मुनाफे के लालच में ये दिल्ली की साइबर गैंग से जुड़े और गोल्ड फ्रॉड का नेटवर्क खड़ा कर दिया। माधवनगर पुलिस ने तीनों को होटल हीरा पैलेस, सखीपुरा से गिरफ्तार किया है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि छह जून को कथित अनुराग कहार ने डीपीके गोल्ड शोरूम से 95 हजार रुपये की 6 ग्राम सोने की क्वाइन खरीदी। क्यूआर कोड से भुगतान के कुछ देर बाद ही शोरूम का बैंक खाता होल्ड हो गया। शिकायत पर माधवनगर थाने में केस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने ट्रेडिंग के लिए पैसा जुटाने के उद्देश्य से तुर्की कम्युनिकेशन एप के जरिए दिल्ली के साइबर अपराधियों से संपर्क किया। दिल्ली की मुख्य तकनीकी टीम अलग-अलग राज्यों में लोगों को फर्जी लिंक भेजकर ठगी करती थी। इस टीम के पास यह डेटा रहता था कि किस बैंक, पेटीएम या एक्सचेंज अकाउंट में कितनी लिमिट बाकी है। उसी लिमिट के हिसाब से उज्जैन के आरोपियों को टारगेट दिया जाता था।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़ा हुआ युवक, आकाशीय बिजली गिरने से मौत

शहडोल। गोहपारू थाना क्षेत्र के गोडारू गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। बताया गया कि युवक घर के पास स्थित खेत की ओर शौच के लिए गया था। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। जानकारी के अनुसार गोडारू निवासी चंद्र प्रकाश केवट (22) पिता दशरथ केवट बारिश से बचने के लिए खेत में लगे एक आम के पेड़ के नीचे जाकर खड़ा हो गया। उसी समय तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली पेड़ के पास आ गिरी, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। बिजली गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के घरों में मौजूद लोग बाहर निकले। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो उन्होंने युवक को आम के पेड़ के नीचे गंभीर हालत में पड़ा देखा। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजन और ग्रामीण तत्काल युवक को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गोहपारू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

अकेलेपन से जूझ रहे दो दिलों ने थामा एक-दूसरे का हाथ, लिए सात फेरे

श्योपुर। एक बुजुर्ग की जिंदगी में उस समय नई रोशनी आई, जब वर्षों की तन्हाई के बाद उन्हें ऐसा साथी मिला जिसने उनके जीवन को फिर से खुशियों से भर दिया। पत्नी को खोने के बाद अकेलेपन से जूझ रहे श्योपुर जिले के 60 वर्षीय घनश्याम मीणा ने राजस्थान के बारां जिले की रहने वाली 60 वर्षीय गौरा बाई मीणा के साथ हिंदू रीति-रिवाजों से विवाह कर नई जिंदगी की शुरुआत की है। दोनों ने कोर्ट मैरिज करने के बाद सात फेरे भी लिए।

दरअसल, श्योपुर के छोटा खेड़ा गांव निवासी घनश्याम मीणा और बारां जिले के बोरदा गांव निवासी गौरा बाई मीणा की मुलाकात राजस्थान के प्रसिद्ध रामगढ़ माता मंदिर में हुई थी। बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और धीरे-धीरे दोनों ने एक-दूसरे का सहारा बनने का फैसला कर लिया। यह सिर्फ एक शादी की कहानी नहीं, बल्कि बुढ़ापे में सम्मान, अपनापन और जीवन को नए सिरे से जीने की उम्मीद की कहानी है। गौरा बाई मीणा के जीवन में चार वर्ष पहले उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था, जब उनके पति रामपाल मीणा का निधन हो गया। पति के जाने के बाद उनके जीवन का सबसे कठिन दौर शुरू हुआ। गौरा बाई का कहना है कि जिन लोगों को उन्होंने अपना परिवार समझा, उन्हीं के बीच उन्हें सम्मान और अपनापन नहीं मिला। बहू की प्रताड़ना, रिश्तेदारों के ताने और आए दिन होने वाले विवादों ने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया। एक समय ऐसा भी आया जब उनकी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं बचा।

राशन चाहिए तो देना होगा जिंदा होने का प्रमाण पत्र, 15 हजार हितग्राहियों पर संकट

दतिया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन प्राप्त करने वाले हजारों हितग्राहियों के लिए जून माह बेहद महत्वपूर्ण है। शासन के निर्देश पर जिले में पांच वर्ष पहले कराई गई ई-केवाईसी को दोबारा अपडेट करने का अभियान चलाया जा रहा है। निर्धारित समय सीमा के भीतर बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं कराने वाले हितग्राहियों को राशन वितरण में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खाद्य विभाग के अनुसार जिले में 55 हजार से अधिक ऐसे हितग्राहियों की पहचान की गई है, जिनकी पुरानी ई-केवाईसी अब अमान्य मानी जा रही है। अब तक लगभग 35 हजार हितग्राहियों का पुनः सत्यापन पूरा हो चुका है, जबकि 15 हजार से अधिक हितग्राही अभी भी प्रक्रिया से बाहर हैं। विभाग ने दतिया के सभी उचित मूल्य दुकान संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे पात्र परिवारों को जागरूक कर जल्द से जल्द ई-केवाईसी पूर्ण कराएं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिन लोगों के नाम पर राशन जारी हो रहा है, वे वास्तव में पात्र और जीवित हैं। कई मामलों में मृत्यु, स्थानांतरण अथवा अपात्रता के बावजूद नाम सूची में बने रहने की शिकायतें सामने आती रही हैं। दोबारा बायोमेट्रिक सत्यापन से ऐसी अनियमितताओं पर रोक लगेगी और वास्तविक हितग्राहियों तक लाभ पहुंचेगा। परिवार के प्रत्येक सदस्य को आधार कार्ड के साथ उचित मूल्य दुकान पर पहुंचकर बायोमेट्रिक सत्यापन कराना होगा। पीडीएस मशीन में जिन सदस्यों के नाम पीले अक्षरों में दिखाई दे रहे हैं, उनके लिए ई- केवाईसी कराना अनिवार्य है।

ब्रिज के बीचों-बीच बना बड़ा गड्ढा और उसमें निकले सरिए राहगीरों के लिए खतरा

ओवरब्रिज या ओवर रिस्क...? रेलवे-नगर परिषद की खींचतान में जनता रोज लगा रही जान की बाजी

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज का रेलवे ओवरब्रिज इन दिनों केवल वार्ड क्रमांक 8, 9, 10, 11 और 12 को बाजार से नहीं जोड़ रहा, बल्कि नागरिकों को सीधे दुर्घटना और प्रशासनिक लापरवाही से भी जोड़ रहा है। ब्रिज के बीचों-बीच बना विशाल गड्ढा और उसमें बाहर निकले सरिए मानो राहगीरों का स्वागत करते हुए कह रहे हों। सावधान! आगे विकास कार्यों की असली तस्वीर है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दोपहिया, चार पहिया और मालवाहक वाहन जैसे ही इस स्थान पर पहुंचते हैं, उन्हें अचानक मुफ्त का सस्पेंशन टेस्ट मिल जाता है। कई वाहन चालक गिरते-गिरते बचे हैं, कई गिर चुके हैं और कई वाहन मालिक अपने फटे टायर तथा टूटे पार्ट्स का शोक मनाते दिखाई देते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस गड्ढे का कोई जिम्मेदार नहीं है। नगर परिषद का कहना है कि ब्रिज रेलवे का है, इसलिए हम कुछ नहीं कर सकते। वहीं रेलवे की यांत्रिकी शाखा शायद इस गड्ढे को विरासत स्थल मान चुकी है, क्योंकि हर साल यह उभरता है और हर साल उस पर थोड़ी-बहुत सामग्री डालकर औपचारिक श्रद्धांजलि अर्पित कर दी जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह गड्ढा अब इतना पुराना हो चुका है कि इसका नामकरण कर दिया जाए। आखिर हर साल यह लौटकर आता है, लोगों को परेशान करता है और फिर कुछ समय के लिए गायब होकर पुनः प्रकट हो जाता है। इसे औबेदुल्लागंज का मौसमी गड्ढा महोत्सव भी कहा जा सकता है।

प्रश्न यह है कि जब इस पुल से प्रतिदिन हजारों लोग गुजरते हैं, तब रेलवे और नगर परिषद दोनों की जिम्मेदारी आखिर शुरू कहां से होती है और खत्म कहां पर? या फिर जनता सिर्फ टैक्स देने और गड्ढों में वाहन फंसाने के लिए ही रह गई है?

जब तक दोनों विभाग फाइलों में जिम्मेदारी तलाशते रहेंगे, तब तक जनता सड़क पर अपनी किस्मत तलाशती रहेगी। यदि जल्द स्थायी मरम्मत नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे के बाद वही पुराना बयान सुनने को मिलेगा। मामले की जांच कराई जाएगी। फिलहाल ओवरब्रिज पर निकले सरिए और गहरा गड्ढा प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे हैं, और जनता पूछ रही है। साहब, पुल पर चलें या जान बचाकर घर बैठ जाएं।

सिवनी में पायली एवं संगमघाट समूह नल-जल योजनाओं की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले में पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने की। बैठक में सर्वप्रथम जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित एकल नल जल योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

सांसद कुलस्ते ने निर्देश दिए कि जिले में स्वीकृत 752 एकल नल जल योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए एवं लक्षित शत-प्रतिशत परिवारों तक नल के माध्यम से गुणवत्तायुक्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए। समीक्षा के दौरान बंडोल, झुरकी, सिद्धघाट, संगमघाट एवं पायली समूह नल जल योजनाओं की प्रगति तथा योजना में शामिल ग्रामों में जलापूर्ति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सांसद ने पायली एवं संगमघाट समूह नल जल योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और सभी लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। लक्ष्यानुरूप प्राप्त आवेदनों एवं स्वीकृतियों की जानकारी लेते हुए जनप्रतिनिधियों ने ग्राम स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता सारथियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। समिति ने स्वच्छता गतिविधियों में जनभागीदारी बढ़ाने तथा गांवों को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने पर विशेष जोर दिया।राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत जिले के चयनित वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। वर्ष 2025 में आयोजित मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविरों में जिले के 916 वरिष्ठजनों का चयन किया गया था, जिन्हें अब विभिन्न शिविरों के माध्यम से सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 जून को स्मृति लॉन, बारापत्थर सिवनी में जिला स्तरीय शिविर आयोजित होगा, जिसमें सिवनी एवं कुरई क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे।

खाते किराए पर देने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

विदिशा। दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक विदिशा के निर्देश पर साइबर अपराध के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत थाना सिरोंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बैंक खातों को किराए पर देकर साइबर धोखाधड़ी की राशि का लेन-देन करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

थाना सिरोंज में 11 फरवरी 2026 को आरोपी मोनू पिता लालाराम कुशवाह निवासी जैतपुर थाना मुगलसराय एवं सुनील कुशवाह निवासी ग्राम झुकर जोगी थाना लटेरी के खिलाफ अपराध क्रमांक 64/2026 अंतर्गत धारा 318(4), 64(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। दोनों पर बैंक खातों को किराए पर देकर साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का आहरण करने का आरोप था। विवेचना के दौरान आरोपी मोनू कुशवाह को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर चुकी थी। जबकि दूसरा आरोपी सुनील कुशवाह घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस द्वारा लगातार तलाश एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 16 जून 2026 को फरार आरोपी सुनील पिता भागवत कुशवाह, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम झुकर जोगी थाना लटेरी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को विधिवत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी सोनू डावर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक गजेंद्र सिंह बुंदेला के नेतृत्व में की गई। टीम में सउनि हरीश ठाकुर, आरक्षक शशांक पाठक, विष्णु तोमर एवं गुर्जेंद्र की सराहनीय भूमिका रही।

नरसिंहपुर-जबलपुर मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक पलटा, युवक गंभीर

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर-जबलपुर मार्ग पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही गोटेगांव पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। लगभग चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद घायल धर्मेंद्र को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

चरित्र शंका में ढाबा संचालक की हत्या, आरोपी को 24 घंटे में होलीपुरा से किया गिरफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र में राजपूत ढाबा (अजनेरी) के संचालक की गोली मारकर हत्या करने के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को एसपी साईं कृष्णा एस थोटा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने चरित्र संबंधी शंका के चलते वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, 17 जून 2026 को शोभापुर निवासी राजू उर्फ राजकुमार पुर्विया (34) ने चौकी शोभापुर में शिकायत दर्ज कराई कि उसके छोटे भाई सचिन पुर्विया (28) की किसी अज्ञात व्यक्ति ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी है। सूचना पर थाना सोहागपुर में अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई और

संदिग्ध विवेक गुर्जर (30) निवासी होलीपुरा, बुधनी जिला सीहोर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह चरित्र संबंधी शंका के कारण सचिन पुर्विया को राजपूत ढाबा से बहाने से अपने साथ मोटरसाइकिल पर ले गया और पांजरा रोड स्थित रानी पिपरिया नहर की पुलिया पर उसके सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई एक देशी पिस्टल, टीवीएस मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और घटना के समय पहने गए कपड़े जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के निर्देशन तथा एसडीओपी सोहागपुर संजू चौहान के पर्यवेक्षण में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी, उपनिरीक्षक राहुल पटेल, विवेक यादव, शहादत अली, सहायक उपनिरीक्षक वरुण सिंह सहित थाना स्टाफ और साइबर सेल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मेट्रो एंकर

केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल में नवशैक्षणिक सत्र का हर्षोल्लास एवं संस्कारपूर्ण शुभारंभ

विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल में नवशैक्षणिक सत्र के प्रथम दिवस का शुभारंभ अत्यंत हर्ष, उल्लास, उमंग एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों का भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के अनुरूप तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा एवं मंगलमय स्वागत के साथ अभिनंदन किया गया। विद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही बच्चों के चेहरों पर नई कक्षा, नए साथियों एवं नए संकल्पों को लेकर प्रसन्नता, उत्सुकता और उत्साह स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा था।

विद्यालय में नवसत्र के अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि नियमित योग एवं ध्यान से शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक शांति, एकाग्रता, आत्मविश्वास, आत्मअनुशासन एवं सकारात्मक चिंतन का विकास होता है, जिससे अध्ययन में भी उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। इसके उपरांत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, हरित जीवनशैली तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी विद्यार्थियों को पौधों की नियमित देखभाल एवं उनके संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती श्वेता आनंद त्यागी ने विद्यार्थियों को नवशैक्षणिक सत्र की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, संस्कार, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नया शैक्षणिक सत्र विद्यार्थियों के लिए नवीन ऊर्जा, नए संकल्प, नई संभावनाएँ और नई उपलब्धियों के द्वार खोलता है। विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पूर्ण समर्पण, परिश्रम एवं लगन के साथ अध्ययन करने तथा शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। नवशैक्षणिक सत्र के प्रथम दिवस पर आयोजित स्वागत समारोह, योग एवं ध्यान सत्र तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम ने संपूर्ण विद्यालय परिसर को उत्साह, सकारात्मकता, प्रेरणा एवं नवचेतना से ओत-प्रोत कर दिया। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह, उमंग एवं आत्मविश्वास के साथ सभी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता कर नए शैक्षणिक सत्र का भव्य, प्रेरणादायी एवं स्मरणीय शुभारंभ किया।

30 जून के पहले घूम आओ वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व: मानसून आने के साथ ही 12 दिन बाद बंद हो जाएगा टूरिज्म

जलस्रोतों के पास दिख सकते हैं बाघ, नीलगाय और काले हिरण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघ, तेंदुए, भालू, सियार, काला हिरण और गिद्धों को देखना है तो 30 जून के पहले सफारी का प्लान बना लें। हर साल की तरह मानसून आने के साथ यहां पर्यटन बंद हो जाएगा। 30 सितंबर तक पर्यटक रिजर्व में सैर-सपाटा नहीं कर पाएंगे। यहां के सभी गेटों से प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। अभी गर्मी में बाघ जलस्त्रोंतों के आसपास देखे जा रहे हैं। दमोह सागर और नरसिंहपुर जिले के 72 गांवों को जोड़ते हुए कुल क्षेत्रफल 2339 वर्ग किलोमीटर में फैला है। प्रदेश का यह 7वां टाइगर रिजर्व है। वर्ष 2023 में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। एक समय यह क्षेत्र भेड़ियों के लिए जाना जाता था अब यहां बाघ, तेंदुओं के बाद चीतों की बसाहट होगी। चीतों के लिए यह क्षेत्र अनुकूल माना जा रहा है। कूनो से चीतों को लाकर यहां बसाया जाएगा।

टाइगर रिजर्व में वर्तमान में 30 से अधिक बाघों की मौजूदगी का दावा किया जा रहा है। यहां बाहरी बाघों का मूवमेंट भी रहता है, इसलिए संख्या को लेकर भ्रम की स्थिति बनी है। टाइगर रिजर्व में चिड़ियों की 240 प्रजातियां पाई जाती हैं। यहां भेड़िया, भालू, सियार, लकड़बग्घा, लोमड़ी, सूअर, नीलगाय, जंगली सूअर, चौसिंघा, काला हिरण, चिंकारा, कछुआ और मगरमच्छ सहित पशु-पक्षी मौजूद हैं टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि इस बार बफर जोन से लगे गांवों के मवेशियों का वैक्सीनेशन अक्टूबर के बाद शुरू होगा। बरसात में टाइगर रिजर्व में पर्यटन गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं। सागर से दूसरे राज्यों के लिए एयर कनेक्टिविटी फिलहाल नहीं है। जिससे यहां बाहरी टूरिस्ट कम ही आ रहे हैं। टाइगर रिजर्व के रेस्ट हाउस को छोड़ यहां रुकने के लिए होम स्टे की कमी है। यह कमियां दूर हों तो टूरिज्म बढ़ सकता है। होम स्टे की दिशा में कुछ काम चल रहा है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह का कहना है कि 30 जून या फिर इसके पहले तेज और लगातार बारिश शुरू होने पर टाइगर रिजर्व में पर्यटन गतिविधियां बंद कर दी जाएंगी।

किस वजह से लिया ये फैसला

वन विभाग के मुताबिक मानसून का समय वन्यजीवों का मुख्य प्रजनन काल होता है। इस दौरान जानवरों को शांत वातावरण की जरुरत होती है। पर्यटकों की आवाजाही से उनकी गतिविधियों में बाधा आ सकती है बारिश के मौसम में जंगलों के अंदरुनी रास्ते भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इन रास्तों की मरम्मत और रखरखाव के लिए भी यह समय जरूरी होता है। इसी वजह से हर साल मानसून में पर्यटकों की एंट्री बंद कर दी जाती है।

सुबह 5:45 से 11 बजे तक ही सफारी

गर्मी के कारण पर्यटकों की संख्या में कुछ कमी आई है। अप्रैल में महज 110 पर्यटक ही पहुंचे, जबकि दिसंबर-जनवरी में यह आंकड़ा 750-750 था। वर्तमान में पर्यटन का समय सुबह 5 :45 से 11 : 00 बजे तक है। जो मुसाफिर इस मौसम में भी आ रहे हैं, उन्हें जलाशयों के पास बाघों की अठखेलियां और दीदार का भरपूर मौका मिल रहा है।

न्यूज विंडो

जनसुनवाई में आए 344 आवेदनों पर किया मौके पर निराकरण

नरसिंहपुर। विधानसभा ही नहीं, बल्कि समस्त जिले में लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में पहचान रखने वाले पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल गुरुवार को अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई करते है इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और सीधे तौर पर अपनी बात रखी जनसुनवाई के दौरान कुल 344 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व, बिजली, पानी, सड़क, पेंशन एवं अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनता के प्रिय मुन्ना भैया जालम सिंह पटेल का आमजन से सीधा जुड़ाव ही उनकी लोकप्रियता का मुख्य आधार है। लोग बिना किसी झिझक के अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखते हैं और वे भी सहजता के साथ उनके समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके हर गुरुवार को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में जिले के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं। यह पहल न केवल आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान का मंच प्रदान कर रही है, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और तेजी भी ला रही है। क्षेत्रवासियों ने इस व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे जनहित में अत्यंत उपयोगी बताया इस अवसर पर अन्य प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, नागरिक पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा में शहीद सैनिक की पत्नी से अभद्र व्यवहार मामले में कार्रवाई

छिंदवाड़ा। शहर में शहीद सैनिक की पत्नी और शासकीय आईटीआई में पदस्थ महिला कर्मचारी द्वारा लगाए गए मानसिक प्रताड़ना और अभद्र व्यवहार के आरोपों के मामले में पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। देर शाम देहात थाना पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं विभाग ने आरोपी के निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

बालाघाट में बाड़ी विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट

बालाघाट। जिले के तीनटोला नवेगांव में बाड़ी विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आने और घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद परिजनों ने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर मामला दर्ज किया है।

डिंडोरी में अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे बैठे आठ मवेशियों को कुचला

डिंडोरी। डिंडोरी में विक्रमपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के कैलवारा गांव में अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे बैठे आठ मवेशियों को कुचल दिया। घटना में सभी मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

आक्रोश: 10 दिन में सुधार न होने पर ताला लगाओ आंदोलन की चेतावनी

दूषित पानी पर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, सीएमओ कक्ष का गेट टूटा, टीआई के सिर पर घड़ा फूटा

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में नगर पालिका द्वारा दूषित और बदबूदार पानी की सप्लाई को लेकर यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन ने उग्र रुप ले लिया, प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नपा परिसर के बाहर जमकर नारेबाजी करते हुए मिट्टी के घडे फोड़े और चुड़ियां फेंककर जमकर विरोध जताया। इस बीच परिसर में खड़ी फायर ब्रिगेड से प्रदर्शनकारियों पर पानी भी बरसाया गया, विरोध के दौरान आक्रोशित कार्यकर्ता सीएमओं कक्ष के अंदर घुस गए, इस दौरान कक्ष में लगा गेट भी टूट गया, कक्ष के अंदर सीएमओं के सामने कार्यकर्ताओं ने दूषित पानी को लेकर जमकर विरोध किया, स्थिति को बिगड़ते देख कोतवाली और नौगांव पुलिस भी मौके पर पहुंची और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित किया, विरोध के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने सीएमओ को चुड़िया पहनाने की कोशिश भी की।

दरअसल नगर पालिका परिषद द्वारा विगत कई दिनों से शहर के वार्डो में दूषित और बदबुदार पानी की सप्लाय की जा रही थी, जिसके विरोध में युथ कांग्रेस के बैनर तले जिला अध्यक्ष रोहित कामदार के नेतृत्व में नगर पालिका का घेराव का आयोजन किया जा रहा था, लालबाग में बड़ी संख्या में युथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ शहर की महिलाएं भी एकत्रित हुई थी, लालबाग से पैदल मार्च करते हुए कार्यकर्ताओं ने हाथ में दूषित पानी की बोतल और मिट्टी के घड़े लेकर निकले, नगर पालिका परिसर पहुंचे और विरोध स्वरुप कार्यकर्ताओं ने नपा परिसर के बाहर की घड़ों को फोडना शुरु कर दिया और गंदे पानी की बोतले दिखाकर सीएमओं और नपा अध्यक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं नपा गेट के सामने मिट्टी के घडे फेंकना शुरु कर दिए, इसी दौरान परिसर बैरिकैडिंग के पास प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए खड़े नौगांव टीआई हिरुसिंह रावत के सिर पर मिट्टी का घड़ा फूट गया, हालांकि उन्हें कोई गंभीर चोट नही लगी है।

महिलाओं ने की नारेबाजी

कांग्रेस के कार्यकर्ता और महिलाएं में गंदे पानी के लेकर भारी आक्रोश था, नपा के बाहर चल रहे प्रदर्शन के बीच कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता नगर पालिका का गेट खोलकर सीएमओ कक्ष में घुस गए जहां धक्का-मुक्की के दौरान सीएमओ कक्ष में लगा गेट टूट गया, इसी बीच महिलाएं भी कक्ष में पहुंची और जमकर नारेबाजी करने लगी, महिलाओं ने बताया कि कई दिनों से शहर के वार्डो में गंदा और कीचड़ युक्त पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिसके बाद भी नगरपालिका के अधिकारी किसी की सुनने को तैयार नहीं है, दूषित पानी पीने से बच्चें बीमार हो जाएगे, लेकिन नगर पालिका के अधिकारी को किसी की परवाह ही नही है, लिखित और मौखिक शिकायत के बाद भी नपा हालात नही सुधारे जा रहे है।

एक घंटे चलता रहा प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ता और महिलाएं सीएमओं के द्वारा बाहर आने के आश्वासन के बाद नपा परिसर में डटे रहे और जमकर नारेबाजी करते रहे, काफी देर तक सीएमओं अपने चैंबर से बाहर नही आए, इस बीच करीब एक घंटे तक प्रदर्शन चलता रहा, काफी समय बीत जाने के बाद सीएमओं कक्ष से बाहर निकले जिसके बाद एक ज्ञापन कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सीएमओं को सौंपा गया, जिसमें शहर में साफ पानी की समस्या का निराकरण सहित अन्य मांगे युथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने रखी।

जानलेवा सफर: दुर्घटनाओं के बाद भी नहीं जाग रहा प्रशासन, मालवाहक में ढोई जा रही ओवरलोड सवारी

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार हो रहे सडक़ हादसों के बाद भी न तो वाहन चालकों की मनमानी थम रही है और न ही जिम्मेदार विभाग नींद से जाग रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों से जिला मुख्यालय व आसपास के इलाकों में मजदूरी करने आने वाले श्रमिकों की सुरक्षा पूरी तरह भगवान भरोसे है। हर रोज सुबह मालवाहक वाहनों व ऑटो में क्षमता से तीन से चार गुना अधिक मजदूरों को भेड़-बकरियों की तरह ठूस-ठूस कर खतरनाक घाटियों से होते हुए शहर लाया जा रहा है। यातायात विभाग की इस घोर उदासीनता के कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। क्षेत्र के मालचुआ, शाहपुर, पड़मनिया, खरसोल, कोढार और अहिरगवां सहित दर्जन भर से अधिक ऐसे गांव हैं, जहां से सुबह 9.30 से 10 बजे के बीच सैकड़ों मजदूरों को लेकर ये वाहन शहर में प्रवेश करते हैं। ये वाहन जिन रास्तों से गुजरते हैं, वहां खतरनाक घाटियां और मोड़ हैं, जहां जरा सी चूक दर्जनों परिवारों को तबाह कर सकती है। इसके बावजूद, यह सिलसिला वर्षों से बेरोकटोक जारी है। इस मार्ग पर हादसे होना आम बात हो चुकी है। करीब 4 महीने पहले एक मालवाहक वाहन पलटने से 12 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि एक अन्य घटना में एक मजदूर को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। आरोप है कि हादसे के बाद रसूखदार वाहन चालक गरीब मजदूरों के परिवारों पर दबाव बनाकर मामलों को रफा-दफा कर देते हैं। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि यातायात पुलिस व वाहन चालकों के बीच गठजोड़ के चलते सख्त कार्रवाई नहीं होती। अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ और उमरिया के पाली ब्लॉक की सीमा से हर दिन 700 से अधिक मजदूर शहडोल व आसपास के क्षेत्रों में काम की तलाश में पहुंचते हैं।

मीनाक्षी के समर्थन में महिला कांग्रेस ने विरोध-प्रदर्शन कर फूंका पुतला

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के विरोध में महिला कांग्रेस ने जबलपुर के घंटाघर चौराहे पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंका और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुतला दहन करने से रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झड़प हुई।

मेट्रो एंकर

जिला अस्पताल में नवनिर्मित 200 बेड की अत्याधुनिक सुपर स्पेशल क्रिटिकल केयर यूनिट

अब गंभीर मरीजों को बाहर जाने की नहीं होगी जरूरत

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के स्वास्थ्य तंत्र के लिए यह सप्ताह एक ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया है। जिला अस्पताल में नवनिर्मित 200 बेड की अत्याधुनिक सुपर स्पेशल क्रिटिकल केयर यूनिट अब मरीजों की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार है। 32.50 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह 5 मंजिला इमारत न केवल चिकित्सा सुविधाओं में इजाफा करेगी, बल्कि जिले के गंभीर मरीजों के लिए भोपाल, ग्वालियर और दिल्ली जैसे बड़े शहरों की दौड़ को भी इतिहास बना देगी। लंबे समय से छतरपुर के मरीज और उनके परिजन रेफरल की समस्या से जूझ रहे थे। उचित संसाधनों के अभाव में गंभीर स्थिति वाले मरीजों को तत्काल इलाज के लिए जिले से बाहर जाना पड़ता था। अब इस हाईटेक क्रिटिकल केयर यूनिट के शुरू होने से मरीजों को तत्काल उपचार की सुविधा मिलेगी। अधिकारियों का मानना है कि इस यूनिट के संचालन से जिले में रेफर होने वाले मरीजों की संख्या में भारी गिरावट आएगी, जिससे आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस यूनिट की सबसे बड़ी ताकत इसका ग्राउंड फ्लोर है। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों के गोल्डन ऑवर (आपातकालीन समय) को ध्यान में रखते हुए ग्राउंड फ्लोर पर ही एक माइनर ओटी और एक अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओटी का निर्माण कराया है। इसका उद्देश्य यह है कि सडक़ दुर्घटना, हार्ट अटैक या अन्य गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को ऊपरी मंजिलों पर ले जाने में समय बर्बाद न हो, बल्कि तत्काल यहीं प्राथमिक सर्जरी मुहैया कराई जा सके।

कॉरिडोर से सहज होगा आवागमन

मरीजों को एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में स्थानांतरित करने में आने वाली परेशानियों को देखते हुए एक करोड़ रुपए के बजट से विशेष कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया गया है। यह कॉरिडोर जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग को नई क्रिटिकल केयर यूनिट से जोड़ेगा, जिससे स्ट्रेचर या एम्बुलेंस के जरिए मरीजों को शिफ्ट करना बेहद सहज और सुरक्षित हो जाएगा।

ऑक्सीजन पाइप लाइन के साथ अंतिम तैयारियों का दौर

यद्यपि यह परियोजना एक वर्ष पूर्व ही पूरी होनी थी, लेकिन कुछ तकनीकी बाधाओं के कारण इसमें विलंब हुआ। अब अंतिम चरण में केवल वार्डों में ऑक्सीजन गैस पाइप लाइन का कार्य शेष है। भवन निर्माण शाखा को इसे इसी सप्ताह पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरपी गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि जून माह के इसी सप्ताह तक यूनिट को सुचारू रूप से शुरू करने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। निश्चित रूप से, यह 5 मंजिला यूनिट छतरपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए एक नई जीवनदायिनी साबित होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा।

वैभव को वसीम जाफर की चेतावनी

गुस्से को काबू में रखो, फिजिकल होना जरूरी नहीं...

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेली जा रही ट्राई-सीरीज के दौरान वैभव सूर्यवंशी व?िवादों में भी आ गए हैं। अब इसी हालिया विवाद पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने अपनी राय रखते हुए वैभव को अहम सलाह दी है। दरअसल, इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेले गए मुकाबले में इंडिया ए को सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था। मैच खत्म होने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने जीत का जश्न मनाया। इसी दौरान वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हलामबागे के बीच तीखी बहस हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हलामबागे ने वैभव को उकसाने की कोशिश की थी। इसके बाद स्थिति बिगड़ गई और दोनों खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई। मैदान पर मौजूद अन्य खिलाड़ियों और अधिकारियों को बीच-बचाव करना पड़ा। इस घटना के बाद वसीम जाफर ने अपने यूट्यूब चैनल पर वैभव सूर्यवंशी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि युवा बल्लेबाज को इस घटना से सीख लेनी चाहिए क्योंकि अब वह तेजी से पहचान बना रहे हैं और विरोधी खिलाड़ी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने की कोशिश करेंगे।

जाफर ने कहा कि वैभव के पास अब नाम और पहचान है, इसलिए आगे भी कई खिलाड़ी उन्हें उकसाने का प्रयास करेंगे। हालांकि किसी भी परिस्थिति में जवाबी प्रतिक्रिया देना या शारीरिक रूप से भिड़ना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि जरूरी नहीं कि गलती पूरी तरह वैभव की ही रही हो, लेकिन फिर भी उन्हें अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना होगा। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि वैभव को समझना होगा कि वह अब कई यंग खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल बन चुके हैं। ऐसे में मैदान पर उनका आचरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उनका प्रदर्शन। जाफर का मानना है कि यह घटना उनके लिए सीख साबित होगी और भविष्य में वह इससे बेहतर तरीके से परिस्थितियों को संभालेंगे।

क्रिकेट में नोंक-झोंक गेम का पार्ट

जाफर ने आगे कहा कि क्रिकेट में हल्की-फुल्की नोकझोंक और ऑन-फील्ड ड्रामा गेम का पार्ट है। इससे खिलाड़ियों की मानसिक मजबूती की भी परीक्षा होती है। लेकिन यह सब एक सीमा के भीतर रहना चाहिए और किसी भी खिलाड़ी को व्यक्तिगत टिप्पणी या शारीरिक टकराव तक नहीं पहुंचना चाहिए। ट्राई-सीरीज में वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की बात करें तो उन्होंने अच्छी शुरुआत जरूर की है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। चार मैचों में उन्होंने 29.25 के एवरेज और 153.94 के स्ट्राइक रेट से 117 रन बनाए हैं। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि वैभव आगामी मुकाबलों में अपने बल्ले से ज्यादा सुर्खियां बटोरें। खासकर आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे से पहले वो श्रीलंका में 21 तारीख को ट्राई सीरीज के मुकाबले में बल्ले से कोई बड़ा धमाका करें।

फीफा विश्व कप 2026 :स्विट्जरलैंड ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से दी करारी शिकस्त

स्विस टीम ने दूसरे हाफ में दिखाया दम, मन्जांबी ने दागे दो गोल, झाका के पेनाल्टी स्ट्रोक से मिली जीत

लॉस एंजिलिस , एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से करारी शिकस्त दी। लंबे समय तक संघर्षपूर्ण रहे इस मुकाबले में स्विस टीम ने अंतिम 20 मिनट में आक्रामक खेल दिखाते हुए चार गोल दागे और टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले का पहला हाफ गोलरहित रहा। दोनों टीमों ने सावधानीपूर्वक खेल दिखाया, लेकिन कोई भी पक्ष बढ़त हासिल नहीं कर सका। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने दबाव बढ़ाया और मैच के अंतिम चरण में बोस्नियाई रक्षा पंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

74वें मिनट में युवा खिलाड़ी जोहान मंजाम्बी ने शानदार गोल कर स्विट्जरलैंड का खाता खोला। इसके बाद 84वें मिनट में रूबेन वर्गस ने बढ़त को दोगुना कर दिया। 90वें मिनट में मन्जांबी ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया और मैच लगभग स्विट्जरलैंड की झोली में डाल दिया।

बोस्निया-हर्जेगोविना की मुश्किलें 80वें मिनट में और बढ़ गईं, जब डिफेंडर तारिक मुहरेमोविच को अंतिम खिलाड़ी के रूप में फाउल करने पर सीधे लाल कार्ड दिखाया गया। इसके बाद टीम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने को मजबूर हो गई और स्विट्जरलैंड ने इसका पूरा फायदा उठाया।

अंतिम मिनटों में गोलों की बारिश

इंजरी टाइम में बोस्निया-हर्जेगोविना के एरमिन माहमिक ने 90+3 मिनट में शानदार गोल कर अंतर कम किया और स्कोर 3-1 कर दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद स्विट्जरलैंड को पेनल्टी मिली, जिसे कप्तान ग्रेनिट झाका ने 90+7 मिनट में गोल में बदलकर टीम की 4-1 की शानदार जीत पर मुहर लगा दी।

ग्रुप-बी में मजबूत हुई स्विट्जरलैंड की स्थिति

पहले मैच में ड्रॉ खेलने के बाद स्विट्जरलैंड के लिए यह जीत बेहद अहम रही। इस परिणाम के साथ स्विस टीम ने ग्रुप-बी में नॉकआउट चरण की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। वहीं बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए अब अगले मुकाबले में जीत लगभग अनिवार्य हो गई है। करीब 70 मिनट तक संतुलित दिखने वाला मुकाबला अंतिम चरण में पूरी तरह स्विट्जरलैंड के नाम रहा। मन्जांबी और वर्गास की प्रभावशाली मौजूदगी, झाका की कप्तानी और बोस्निया के रेड कार्ड ने मैच का रुख बदल दिया। स्विट्जरलैंड ने दिखा दिया कि दबाव के क्षणों में वह किसी भी टीम के खिलाफ घातक साबित हो सकता है।

साउथ अफ्रीका ने चेक से ड्रॉ खेला-83वें मिनट में पेनल्टी से बराबरी की

अटलांटा। अटलांटा में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-ए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने चेक रिपब्लिक के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। मैच के 5वें मिनट में मिखाल सादिलेक ने गोल कर चेकिया को बढ़त दिलाई, लेकिन 83वें मिनट में मिले पेनल्टी मौके को टेबोहो मोक्वेना ने गोल में बदलकर साउथ अफ्रीका की हार टाल दी।

मैच के गोल

5वां मिनट- अलेक्जेंडर सोज्का के पास पर मिखाल सादिलेक ने गोल कर चेकिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट का अब तक का सबसे तेज गोल रहा।

83वां मिनट- पावेल सुल्क के हैंडबॉल के कारण साउथ अफ्रीका को पेनल्टी मिली। टेबोहो मोक्वेना ने गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में भेजकर स्कोर 1-1 कर दिया।

मैच में खास

चेकिया ने शुरुआती बढ़त लेने के बावजूद दूसरा गोल नहीं किया और इसका खामियाजा उसे बराबरी के रूप में भुगतना पड़ा।

साउथ अफ्रीका के कप्तान टेबोहो मोक्वेना ने येलो कार्ड मिलने के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया और टीम को अहम अंक दिलाया।

चेकिया के लाडिस्लाव क्रेजी को 75वें मिनट में येलो कार्ड मिला।

तेज गेंदबाज से बने स्पिन के महारथी-

अनिल कुंबले की अनसुनी कहानी ने किया सबको हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने अपने क्रिकेट करियर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि वह शुरुआत में तेज गेंदबाज के तौर पर खेलते थे, लेकिन एक सीनियर खिलाड़ी की टिप्पणी ने उनके करियर की दिशा ही बदल दी।

कुंबले के अनुसार, उनके क्लब क्रिकेट के एक सीनियर खिलाड़ी को उनके गेंदबाजी एक्शन पर शक हुआ था। उन्हें लगा कि वह गेंदबाजी के दौरान कोहनी मोड़ रहे हैं और ÷चकिंग÷ कर रहे हैं। उस समय कुंबले मात्र 13-14 साल के थे और उन्हें खुद भी इस बात का अंदाजा नहीं था। इस वजह से उन पर गेंदबाजी रोकने की स्थिति बन गई थी।

भाई की सलाह से शुरू हुआ स्पिन का सफर

कुंबले ने बताया कि कर्नाटक अंडर-15 ट्रायल से पहले उन्होंने अपने भविष्य को लेकर काफी सोच-विचार किया। इसी दौरान उनके भाई ने उन्हें स्पिन गेंदबाजी अपनाने की सलाह दी। उस समय उन्हें लेग स्पिन की तकनीक की ज्यादा जानकारी नहीं थी और न ही उन्हें टेलीविजन पर बड़े स्पिनरों को देखने का मौका मिला था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने बी. एस. चंद्रशेखर का नाम तो सुना था, लेकिन कभी उन्हें खेलते हुए नहीं देखा था। सीमित संसाधनों और बिना किसी औपचारिक कोचिंग के उन्होंने लेग स्पिन की दिशा में कदम बढ़ाया। कुंबले ने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने ऑफ-स्पिन ग्रिप से गेंदबाजी करना शुरू किया और धीरे-धीरे उसे लेग स्पिन में बदल दिया। उस समय उनके साथ कोई विशेषज्ञ कोच नहीं था जो उन्हें सही तकनीक सिखा सके।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप

आज भिड़ेंगे न्यूजीलैंड और आयरलैंड मैच आज, दोनों को पहली जीत का इंतजार

साउथम्पटन। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में शुक्रवार को न्यूजीलैंड का सामना आयरलैंड से होगा। यह मैच साउथम्पटन में रात 11 बजे से खेला जाएगा। ग्रुप-क्कमें शामिल दोनों टीमें ने अब तक दो-दो मुकाबले खेले हैं और दोनों मैच गंवाए भी हैं। यह मैच जीतने वाली टीम पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोलेगी। हारने वाली टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल हो जाएगा।

ग्रुप-बी में इंग्लैंड अपने दोनों मुकाबले जीतकर 4 पॉइंट्स के साथ टेबल के टॉप है। 2-2 पॉइंट्स के साथ स्कॉटलैंड दूसरे, वेस्टइंडीज तीसरे और श्रीलंका चौथे स्थान पर है। न्यूजीलैंड और आयरलैंड आखिरी दो पायदान पर हैं। बेहतर नेट रन रेट की वजह से न्यूजीलैंड पांचवें और आयरलैंड छठे स्थान पर है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

एआई से बनी फर्जी तस्वीरों पर भड़कीं प्रीति प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ पहुंचीं बॉम्बे हाई कोर्ट

डिजिटल दुनिया के बढ़ते दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल के मुद्दे को लेकर अब अभिनेत्री प्रीति जिंटा बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंची हैं। उन्होंने मेटा और गूगल जैसी बड़ी ऑनलाइन कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उनकी अनुमति के बिना एआई की मदद से उनकी नकली तस्वीरें और कंटेंट बनाए गए और उन्हें इंटरनेट पर फैलाया गया, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है।

प्रीति जिंटा ने अपनी याचिका में कहा है कि उनके नाम और पहचान का गलत इस्तेमाल किया गया है, जिससे उनकी पर्सनैलिटी राइट्स के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर एआई से बना कंटेंट बड़े स्तर पर फैलाया गया, जिसे लोग असली मान सकते हैं और इससे गलतफहमी पैदा होती है। अभिनेत्री ने कहा कि कॉपीराइट कानून 1957 के तहत उनके नैतिक अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है। उनकी छवि और पहचान का उपयोग बिना अनुमति के किया गया, जो कानूनन गलत है। इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अभय आहूजा की बेंच ने उनकी याचिका पर विचार करते हुए उन्हें आगे मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा की कि इस मामले में शामिल ऑनलाइन कंपनियों के ऑफिस कई अलग-अलग शहरों और देशों में मौजूद हैं। इसलिए मामले का कुछ हिस्सा अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर भी जा सकता है। लेकिन फिर भी कोर्ट इसे सुनकर पूरा फैसला करेगा।

बालीवुड सितारे पहले भी कर चुके हैं कोर्ट का रुख

पिछले कुछ सालों में एआई तकनीक के बढ़ने के साथ ही ऐसे मामलों में काफी तेजी आई है, जहां सेलेब्रिटीज की फर्जी तस्वीरें, वीडियो और आवाजों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तरह के मामलों में कई बड़े बॉलीवुड सितारे पहले भी अदालत का रुख कर चुके हैं। इनमें अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अर्जुन कपूर, वरुण धवन, ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, आर. माधवन, ऋतिक रोशन और विवेक ओबेरॉय शामिल हैं। इन सभी मामलों में अदालतों ने उनकी पहचान और छवि की सुरक्षा को मान्यता दी और उन्हें कानूनी संरक्षण दिया।

अमिताभ बच्चन का मजाकिया अंदाज

24 घंटे के दिन को बताया कम

मुंबई । फिल्म जगत के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर अपने हल्के-फुल्के और हास्यपूर्ण अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया है। उन्होंने अपने हालिया ब्लॉग में कहा कि 24 घंटे का दिन उनके हिसाब से पर्याप्त नहीं है और इसे 36 घंटे का होना चाहिए, क्योंकि करने के लिए काम और इच्छाएं अभी भी बहुत बाकी रह जाती हैं।

अपने ब्लॉग में उन्होंने इस विचार को और आगे बढ़ाते हुए लिखा कि अगर दिन 36 घंटे का कर दिया जाए, तो लोग शायद फिर 48 घंटे की मांग करने लगेंगे। उनका यह मजाकिया लेकिन सोचने पर मजबूर करने वाला अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में समय की इस कमी पर विचार साझा करते हुए अंत में हल्के मूड में लिखा कि अब फुटबॉल मैच देखने का समय हो गया है। उन्होंने कहा, ÷तो चलो भाई, अब वो खेल देखते हैं जो पैरों से खेला जाता है। उनकी यह टिप्पणी उनके फैंस के बीच काफी चर्चा में रही।

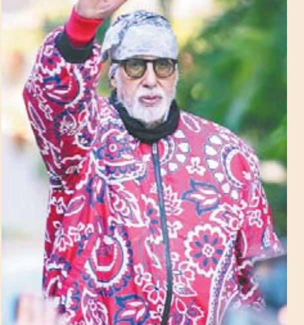

इसके साथ ही उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट भी साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा- टी 5775 - हाहाहाहाहा.. कितना मज़ा आया..! यह पोस्ट संभवतः पुर्तगाल और कांगो के बीच खेले गए 1-1 ड्रॉ मैच से जुड़ा बताया जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबले के दौरान खेला गया था।

अमिताभ बच्चन वर्तमान में अपने फिल्मी प्रोजेक्ट्स में भी व्यस्त हैं। वे बहुप्रतीक्षित फिल्म Kalki 2898 AD के सीक्वल में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिसका निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं।

मेट्रो बाजार

अमेरिकी फेड के रुख से अच्छी कंपनियों में निवेश का मौका

नई दिल्ली । अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लगातार चौथी बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा। हालांकि, फेड के नए आर्थिक अनुमानों से यह संकेत मिला है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, फेड के नीति निर्माताओं में मतभेद अभी भी बने हुए हैं। लगभग आधे सदस्य इस साल कम से कम एक और बार ब्याज दर बढ़ाने के पक्ष में हैं। साथ ही, महंगाई के बढ़े हुए अनुमान और आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) के कमजोर अनुमान यह दिखाते हैं कि फेड की प्राथमिकता अभी भी महंगाई पर नियंत्रण रखना है, भले ही इससे आर्थिक विकास की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाए। एक्सिस डायरेक्ट के रिसर्च प्रमुख राजेश पलविया ने कहा कि वैश्विक शेयर बाजारों के लिए फेड का संदेश कुछ हद तक सख्त (हॉकिश) है, क्योंकि ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें अब और आगे खिसक गई हैं। उन्होंने कहा, ÷भारतीय शेयर बाजार के लिए निवेश का बुनियादी आधार अभी भी मजबूत बना हुआ है। मजबूत घरेलू आर्थिक संकेतक, कंपनियों के अच्छे नतीजे, एसआईपी के जरिए लगातार निवेश और सरकार द्वारा बढ़ाया जा रहा पूंजीगत खर्च भारतीय बाजार को समर्थन दे रहे हैं।÷ पलविया के अनुसार, निकट अवधि में बाजार की दिशा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश और रुपए की चाल से प्रभावित हो सकती है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर नकदी की उपलब्धता अभी भी सीमित बनी हुई है। उन्होंने कहा कि फेड के रुख से यदि बाजार में अस्थिरता आती है, तो इसे मध्यम और लंबी अवधि के नजरिए से मजबूत और गुणवत्तापूर्ण कंपनियों में निवेश का अवसर माना जाना चाहिए।

टाटा मोटर्स ने कमर्शियल वाहनों के दाम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाए, 1 जुलाई से नई कीमतें लागू

नई दिल्ली टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स (टीएमसीवी) ने अपने कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है और नई कीमतें 1 जुलाई से लागू होंगी। यह जानकारी गुरुवार को कंपनी की ओर से दी गई। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि इस बढ़ोतरी की वजह कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी होना और लागत का बढ़ना है। यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल पर विभिन्न होगी और 2.5 प्रतिशत तक सीमित होगी। इस बढ़ोतरी से टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स भी उन कंपनियों में शामिल हो गई है, जिन्होंने मध्य पूर्व संकट के चलते कच्चे माल और लागत में बढ़ोतरी के कारण कीमतों में इजाफा किया है।

इससे पहले, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल (टीएमपीवी) ने 12 जून को अपनी ईंधन (पेट्रोल, डीजल और सीएनजी) और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। नई कीमतें एक जुलाई से लागू होंगी। कंपनी की ओर से जारी की गई एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि कीमतों में बढ़ोतरी की वजह इनपुट लागत में बढ़ोतरी होना था। टीएमपीवी ने कहा कि वह लागत में हुई बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही है, जबकि हालिया कीमत संशोधन के जरिए बढ़ोतरी का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डाल रही है। कंपनी ने कहा कि कीमत में बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग होगी। वहीं, मध्य पूर्व तनाव के चलते मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया जैसी कंपनियां गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी कर चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में, टीएमसीवी के मुनाफे में सालाना आधार पर 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जबकि आय 22 प्रतिशत बढ़कर 24,452 करोड़ रुपए हो गया।

शिमला में भीषण भूस्खलन, ढह गया पूरा पहाड़

हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की एंट्री से पहले आंधी-बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। इस बीच, राजधानी शिमला में ढली-संजौली बाईपास पर अचानक पहाड़ दरकने से भीषण भूस्खलन हो गय। इस भीषण भूस्खलन के कारण भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें मुख्य सड़क पर आ गिरीं, जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। गनीमत रही कि हादसे के वक्त कोई वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

झारखंड राज्यसभा चुनाव के बाद महागठबंधन में घमासान

कांग्रेस के आरोपों पर RJD का पलटवार, कहा- गिरेबान में झांकें

राजद ने कांग्रेस विधायकों की पिछली क्रॉस वोटिंग का किया जिक्र

रांची. एजेंसी

झारखंड राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच बयानबाजी तेज हो गई है।कांग्रेस द्वारा राजद और वाम दलों पर क्रॉस वोटिंग का आरोप लगाए जाने के बाद राष्ट्रीय जनता दल ने तीखा पलटवार किया है।

राजद ने कांग्रेस को आत्ममंथन की सलाह देते हुए कहा कि अपनी राजनीतिक विफलताओं का ठीकरा सहयोगी दलों पर फोड़ना उचित नहीं है।

अपने ही विधायकों का नहीं मिला समर्थन: राजद ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी बयान में कहा कि झारखंड राज्यसभा चुनाव का परिणाम यह साबित करता है कि कांग्रेस अपने ही विधायकों का पूरा समर्थन हासिल करने में असफल रही। पार्टी ने आरोप लगाया कि बिना तथ्यों के सहयोगी दलों पर सवाल उठाने के बजाय कांग्रेस को पहले अपने संगठन और विधायकों के बीच समन्वय की स्थिति का आकलन करना चाहिए। राजद ने कांग्रेस को हरियाणा, ओडिशा और बिहार के राज्यसभा चुनावों की याद दिलाते हुए कहा कि मार्च में हुए द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस के कई विधायकों ने भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी या मतदान से दूरी बनाई थी।

राजद के अनुसार, उन मामलों में संबंधित विधायकों ने सार्वजनिक रूप से भी महागठबंधन उम्मीदवारों को लेकर असहमति जताई थी, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने उनके खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

क्यों नहीं की अपने नेताओं पर कार्रवाई

बयान में कहा गया कि बिहार में ऐसे कई नेता आज भी कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के साथ मंच साझा कर रहे हैं। ऐसे में झारखंड चुनाव में मिली हार के बाद राजद और भाकपा-माले की भाजपा विरोधी विश्वसनीयता पर सवाल उठाना राजनीतिक रूप से अनुचित और गठबंधन की एकता के लिए नुकसानदायक है। राजद ने कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों को 'सतही, अधीर और गैर-जिम्मेदाराना' बताते हुए कहा कि इस तरह के बयान INDIA गठबंधन की मजबूती को कमजोर करते हैं। पार्टी ने सवाल उठाया कि हरियाणा, ओडिशा और बिहार में हुई क्रॉस वोटिंग के बावजूद क्या महागठबंधन के किसी सहयोगी दल ने कांग्रेस के खिलाफ सार्वजनिक रूप से ऐसी टिप्पणी की थी।

दो सीटों पर हुआ था चुनाव

झारखंड में दो सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव में परिमल नाथवाणी को 28 और बैजनाथ राम को 31 वोट मिले। राज्यसभा चुनाव के निर्वाची पदाधिकारी रंजीत कुमार बताया कि राज्य सभा के द्विवार्षिक निर्वाचन 2026 में तीन अभ्यर्थी प्रणव झा, इंडियन नेशनल कांग्रेस, बैजनाथ राम, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा और नाथवाणी परिमल, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में थे। मतदान में 81 मतदाताओं ने अपना मत का प्रयोग किया। मतदान स्थल में मतों की गिनती की गई। मतों की गणना में 78 मत वैद्य पाये गये और 03 मत रद्द किये गये। जिसके बाद भारत निर्वाचन आयोग से सहमति लेने के बाद बैजनाथ राम और परिमल नाथवानी को निर्वाचित घोषित किया गया।

न्यूज विंडो

जापान: स्कूल में भड़की आग, सुरक्षित निकाले 300 बच्चे, शिक्षक

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो के एक प्राथमिक स्कूल में अचानक भीषण आग लग गई। इस दौरान स्कूल की चौथी मंजिल पर फंसे करीब 300 बच्चों और शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना में कुछ बच्चों और एक शिक्षक को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टोक्यो के बीचों-बीच स्थित एक एलिमेंट्री स्कूल में आग लग गई। टोक्यो फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि चार मंजिला इमारत में स्थित 'ताकिनोगावा नंबर 3 एलिमेंट्री स्कूल' की सबसे ऊपरी मंजिल पर, म्यूजिक रूम के पास सुबह आग लगी। दमकलकर्मियों ने एक शिक्षक और कई स्कूली बच्चों को इमारत से बाहर निकाला, उन्हें ऐसी चोटें आईं जिनसे जान का कोई खतरा नहीं है। टेलीविजन फुटेज में चौथी मंजिल की खिड़कियों से काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया, जबकि दमकलकर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। दर्जनों दमकल गाड़ियां तैनात की गई थीं।

राम मंदिर चोरी: एसआईटी ने खंगाली पत्रावलियां, बढ़ा शक का दायरा

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानराशि में कथित गड़बड़ी की जांच कर रही एसआईटी की पड़ताल अब नए मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। सूत्रों के अनुसार जांच टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से वर्ष 2021 से अब तक की गई भूमि खरीद से संबंधित पत्रावलियों और अभिलेखों का भी परीक्षण शुरू कर दिया है। सूत्रों का दावा है कि दानराशि के उपयोग और भूमि खरीद के बीच संभावित संबंधों को समझने के लिए एसआईटी विभिन्न स्तरों पर रिकॉर्ड खंगाल रही है। खरीद प्रक्रिया, भूमि का मूल्यांकन, भुगतान की प्रक्रिया और संबंधित पक्षों की भूमिका की जांच की जा रही है। इस क्रम में तीन लोगों से पूछताछ किए जाने की भी जानकारी सामने आ रही है।

डबल डेकर बस एक्सप्रेस-वे पर पलटी, 21 यात्री घायल, कई गंभीर

बदायूं। यूपी के बदायूं में वाराणसी से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस गंगा एक्सप्रेसवे पर नौली हरनाथपुर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 21 यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी वजीरगंज लाया गया, बाद में क्रेन की मदद से बस को सीधा कर सड़क किनारे खड़ा कराया गया, जिससे हाईवे पर यातायात सुचारु कर दिया गया। इधर एक साथ इतनी संख्या में घायलों के पहुंचने पर सीएचसी के कर्मचारियों गर्मियोंके हाथ पैर फूल गए, डॉक्टर ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया और इसके बाद गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, डबल डेकर बस में 32 यात्री बनारस से सवार हुए, सभी नोएडा जा रहे थे, इनमें 21 यात्रि घायल हैं, घायलों से बातचीत करने के दौरान मालूम हुआ।

पहुज नदी में डूबने से हुई तीन दोस्तों की मौत साथी को बचाने कूदे, गहरे पानी में समा गए

जालौन. एजेंसी

मप्र क्षेत्र से माधौगढ़ थाना के गोपालपुरा गांव से निकली पहुज नदी में नहाने आए 14 युवकों में एक किशोर गहराई में जाने से डूबने लगा। उसे बचाने गए दो और दोस्त भी डूब गए। दूसरे साथी युवकों ने बचाव का प्रयास किया लेकिन असफल रहे।

यह देख अन्य दोस्तों ने तुरंत पुलिस व ग्रामीणों को सूचना दी। पुलिस की टीम गोताखोरों की मदद से करीब दो घंटे बाद तीन दोस्तों के शव को बाहर निकाला जा सका। गोपालपुरा के ग्रामीणों ने बताया कि युवक नदी के किनारे और नहाते समय सेल्फी लेने में मस्त थे। युवक तेज तैरने की स्पर्धा कर रहे थे और ऐसा करते हुए ही पहले किशोर गहराई में चला गया था। युवकों ने बताया कि मप्र के मिहौना थाना के ग्राम मंगरौल में चरन सिंह बघेल के यहां शादी समारोह में सभी आए थे, वहीं से यह लोग नदी में नहाने चले आए। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतृप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी राजेश पांडेय व एसपी विनय कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर जानकारी ली।

मप्र के जिला भिंड, थाना मिहौना, ग्राम अंतियनकापुरा निवासी 20 वर्षीय अवनीश यादव, ग्राम रिधौरा निवासी 19 वर्षीय जगमोहन बघेल व 15 वर्षीय सुदीप बघेल अपने अन्य 11 दोस्तों के साथ पहुज नदी में नहाने के लिए दोपहर 12 बजे बाइकों से आए थे। नहाने आए दोस्तों ने बताया कि सबसे पहले 15 वर्षीय सुदीप बघेल तैरने हुए बीच में पहुंच गया और डूबने लगा।

राष्ट्रपति बोलीं- स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले पूरा प्रदर्शनी का किया अवलोकन

ओंकारेश्वर। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आज ओंकारेश्वर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किय गया। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहीं। उन्होंने सिकल सेल से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि 1.25 करोड़ लोगों के स्क्रीनिंग की लक्ष्य समय से पहले पूरा हुआ है। इस दौरान सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और इलाज को बढ़ावा देने पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जागरुक करना है।

यूएन में भारत की पाकिस्तान को दो टूक

आतंक फैलाने वाले हमसे सहयोग की उम्मीद न रखें

जिनेवा. एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। भारत ने 1960 के सिंधु जल समझौते को आज के समय के हिसाब से पुराना और बेकार बताया है। भारत ने साफ शब्दों में कहा कि जो देश आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति की तरह इस्तेमाल करता है, वह दोस्ती और सहयोग के फायदों की उम्मीद नहीं कर सकता।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की सचिव अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान के आरोपों का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सिंधु जल समझौते पर भारत का रुख बिल्कुल साफ है। यह तर्क से परे है कि एक तरफ पाकिस्तान आतंक का निर्यात करता है और दूसरी तरफ सद्भावना पर टिके समझौते का लाभ चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1960 में हुई यह संधि अब पुरानी पड़ चुकी है। दुनिया बदल रही है और कोई भी तकनीकी व्यवस्था समय के साथ स्थिर नहीं रह सकती। छह दशक पुराने इस समझौते को आज की हकीकत से अलग नहीं रखा जा सकता।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इस हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को तब तक के लिए रोक दिया है, जब तक पाकिस्तान सीमा पार से होने वाले आतंकवाद को पूरी तरह खत्म नहीं कर देता। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान अपनी 80 प्रतिशत खेती और 93 प्रतिशत पानी की जरूरतों के लिए सिंधु नदी तंत्र पर ही निर्भर है।

सचिव अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान को अपने आंतरिक मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्रों पर नजर डालने के बजाय अपने घर की हालत सुधारनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान को 'फ्रेंकेंस्टीन स्टेट' करार दिया।

पाकिस्तान कर रहा अपनी घरेलू नाकामियों को छिपाने की कोशिश

भारतीय राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन के बयानों को भी पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का दुष्प्रचार उसकी अपनी घरेलू नाकामियों को छिपाने की एक कोशिश है। भारत ने फिर दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। अब केवल एक ही मुद्दा बचा है और वह है पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले भारतीय इलाकों को मुक्त कराना। भारत ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की पुरानी चालें अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर काम नहीं आएंगी।

नाइजर के एयरपोर्ट पर बड़ा आतंकी हमला; 11 सैनिक, दो नागरिकों की मौत; 22 हमलावर ढेर

नियामे, एजेंसी। अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामी में स्थित मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तड़के हथियारबंद हमलावरों ने बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में 11 सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 22 हमलावर भी मारे गए। नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमलावरों ने राजधानी के डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को विफल कर दिया। इस दौरान 20 संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में गोलियों की आवाजें और

विस्फोट सुनाई दिए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और एयरपोर्ट जाने वाले रास्तों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, कुछ घंटों बाद नाइजर की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन एजेंसी ने कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य रूप से जारी है और उड़ानों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। यह इस साल एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले जनवरी में भी इसी एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था।

जनवरी में हमले के बाद बढ़ाई गई थी एयरपोर्ट की सुरक्षा

डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाइजर के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नाइजर वायुसेना का बेस मौजूद है। साथ ही नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय भी इसी परिसर में स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा जनवरी के हमले के बाद बढ़ाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय जिहादी संगठन लगातार खतरा बने हुए हैं।

मेट्रो एंकर | यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: पिछले साल 25 हजार बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण के हुए शिकार

युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क. एजेंसी

संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

UN की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार

सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इस्राइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत

संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इस्राइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फ़िलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इस्राइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है। संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564